रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
07 जनवरी -2026
वर्ष 10, अंक 124
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

जैसलमेर का 'सोने' जैसा रंग, सांगानेर में बदलेगी सूरत

रेलवे का 248 करोड़ वाला प्लान तैयार, होगा कायाकल्प

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान की स्वर्णनगरी जैसलमेर और जयपुर के सांगानेर की सूरत बदल जाएगी। राजस्थान में 248 करोड़ की लागत से दो बड़े रेलवे स्टेशन बनने जा रहे हैं। जैसलमेर रेलवे स्टेशन 140 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो चुका है, जबकि 108 करोड़ की लागत से जयपुर के सांगानेर रेलवे स्टेशन की सूरत बदलेगी जाएगी। आज सांगानेर स्टेशन का शिलान्यास कार्यक्रम था, जिसमें रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शामिल होने वाले थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से इसे रद्द कर दिया गया है। फिलहाल कार्यक्रम की नई तिथि अभी घोषित नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि जैसलमेर और जयपुर के सांगानेर में बनने जा रहे दोनों स्टेशन में जहां राजस्थान की सांस्कृतिक की झलक दिखेगी। वहीं आधुनिक भारत भी दिखेगा। स्टेशन के डिजाइन में राजस्थान की लोक कला, पत्थर की नक्काशी और राजस्थानी वास्तुकला को शामिल किया गया है। रेलवे स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाओं मिलेगी। वर्ल्ड क्लास सुविधाओं से लैस ये स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना की जीवंत तस्वीर पेश करेंगे। यहां आधुनिक वेटिंग एरिया, डिजिटल सूचना प्रणाली, एस्केलेटर और लिफ्ट, दिव्यांगजन फ्रेंडली रैम्प,स्वच्छ टॉयलेट्स, और हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था यात्रियों को दी जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने की शिष्टाचार भेंट

- सभी ने मुख्यमंत्री को दी नव वर्ष 2026 की बधाई एवं शुभकामनाएं।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को सभी ने नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी का हार्दिक स्वागत एवं नववर्ष शुभकामनाओं के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि नव वर्ष नया संकल्प, नई ऊर्जा तथा नए अवसरों को लेकर आता है। हम सभी लोग इस नव वर्ष में सकारात्मक ऊर्जा एवं प्रतिबद्धता के साथ राज्य के सर्वांगीण विकास में अपनी महत्ती भूमिका निभाने को लेकर दृढ़ संकल्पित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 झारखंड की विकास यात्रा में मील का पत्थर साबित हो, इस लक्ष्य के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन-प्रशासन और जनता के सहयोग से झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शुमार करने की दिशा में यह वर्ष एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध होगा।

विदेश से लौटते ही 'ऐक्शन मोड' में तेजस्वी

- आधी रात को लालू यादव के साथ बंद कमरे में मंथन

पटना (एजेंसी)। लगभग एक महीने तक विदेश दौरे पर रहने के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव भारत लौट आए हैं। रविवार को दिल्ली पहुंचने के बाद सोमवार की देर रात उन्होंने पंडारा पार्क स्थित मीसा भारती के सरकारी आवास पर पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। तेजस्वी की इस मुलाकात को महज एक पारिवारिक भेंट नहीं माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, लालू और तेजस्वी के बीच घंटों चली इस बैठक में बिहार की

वर्तमान राजनीतिक स्थिति और राजद के भविष्य के रोडमैप पर गंभीर चर्चा हुई। चुनाव परिणामों के बाद पार्टी को फिर से संगठित करने और विपक्ष के रूप में सरकार को घेरने की योजना पर विस्तार से बात की गई। तेजस्वी यादव की अनुपस्थिति के दौरान भाजपा और जदयू ने उन पर जमकर निशाना साधा था। सत्ताधारी दलों ने इसे हार के बाद भागने वाला व्यवहार करार दिया था। हालांकि, भारत लौटते ही लालू यादव के साथ उनकी सक्रियता ने विरोधियों को संकेत दे दिया है कि वे अब पूरी तैयारी के साथ चुनावी हार का विश्लेषण कर मैदान में उतरने वाले हैं। बिहार की राजनीति में सबसे बड़े विपक्षी दल के रूप में राजद अब अपनी भूमिका को और अधिक आक्रामक बनाने की फिराक में है। तेजस्वी की वापसी के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी संगठन में बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। इसके अलावा राज्य स्तर पर जनसंपर्क अभियान या यात्रा की शुरुआत हो सकती है। विधानसभा के आगामी सत्रों में सरकार को घेरने के लिए नई रूपरेखा तैयार की जाएगी।

कार्तिगई दीपम विवाद हाईकोर्ट ने दीप जलाने की परमीशन दी

- स्टालिन सरकार ने जस्टिस स्वामीनाथन का आदेश नहीं माना था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने मंगलवार को तिरुप्परनकुंड्रम मंदिर में पहाड़ी पर दरगाह के पास दीपस्तंभ (दीपथून) पर दीप जलाने की इजाजत दे दी है। जस्टिस जी जयचंद्रन और जस्टिस केके रामकृष्णन की बेंच ने जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन के सिंगल बेंच का फैसला बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि दीप जलाने के मुद्दे को राजनीतिक रंग दिया गया, जबकि यह लंबे समय से चली आ रही धार्मिक परंपरा से जुड़ा मामला है। कोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन को इस मामले को समुदायों के बीच संवाद और समन्वय के अवसर के रूप में देखना चाहिए था। यह मामला हिंदू तमिल पार्टी के नेता राम रविकुमार की याचिका से जुड़ा है, जिसमें कार्तिगई दीपम पर्व के दौरान पहाड़ी पर बने पत्थर के पिलर पर दीप जलाने की इजाजत देने की मांग की गई थी। पिछले साल 1 दिसंबर को जस्टिस स्वामीनाथन ने याचिका स्वीकार करते हुए दीपम जलाने का आदेश दिया था।

जनरल कैटेगरी योग्यता पर आधारित, जाति पर नहीं

- आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, दिखाया आईना

'डबल फायदा' तर्क किया खारिज, मेरिट नियम मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण से जुड़ा एक अहम फैसला सुनाया है, जिसका सीधा असर सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया और जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों पर पड़ता है। कोर्ट ने साफ किया है कि जनरल या ओपन कैटेगरी किसी जाति के लिए नहीं, बल्कि मेरिट के लिए होती है। अगर कोई आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार बिना किसी छूट के जनरल कट-ऑफ से ज्यादा नंबर लाता है, तो उसे जनरल कैटेगरी की सीट पर ही माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ओपन या जनरल कैटेगरी सभी के लिए खुली होती है, चाहे वह

किसी भी जाति या वर्ग का हो। अगर एससी, ओबीसी, एमबीसी या ईडब्ल्यूएस का उम्मीदवार बिना किसी रियायत के जनरल कैटेगरी के उम्मीदवारों से बेहतर प्रदर्शन करता है तो उसे जनरल लिस्ट में शामिल किया जाएगा, न कि उसकी आरक्षित कैटेगरी में बांधा जाएगा। कोर्ट ने कहा आरक्षित वर्ग का कट-ऑफ ज्यादा चला जाता है।

- **जनरल कैटेगरी किसी की निजी नहीं–** कोर्ट ने दोहराया कि जनरल, ओपन या अनरिजर्व्ड शब्द का मतलब है– सभी के लिए खुला। यह किसी खास जाति, वर्ग या लिंग के लिए आरक्षित नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पुराने फैसलों इंद्रा साहनी केस और सौरव यादव केस का हवाला देते हुए कहा, ओपन कैटेगरी में आने की एक ही शर्त है– मेरिट। यह नहीं देखा जाएगा कि उम्मीदवार किस वर्ग से है। कोर्ट ने यह दलील भी खारिज कर दी कि ऐसे उम्मीदवारों को शामिल करने से उन्हें 'डबल फायदा' मिलेगा। साफ कहा गया कि अगर कोई रियायत नहीं ली गई है, तो यह कोई अतिरिक्त लाभ नहीं है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फॉर्म में अपनी जाति लिख देना अपने आप में आरक्षित सीट पाने का अधिकार नहीं देता।

बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

- हिंदू दुकानदार पर धारदार हथियार से किया हमला

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है। शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था। 5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई।

स्वच्छ पेयजल आम जनता का मौलिक अधिकार

- दूषित पानी पर हाईकोर्ट ने एमपपी सरकार को खूब सुनाया
- मौतों पर प्रदेश सरकार के जवाब को बताया असंवेदनशील

इंदौर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में मंगलवार (6 जनवरी) को दूषित पेयजल से जुड़े मामले पर 4 से 5 याचिकाओं की एक साथ सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस घटना ने इंदौर शहर की छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। देश का सबसे स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर अब दूषित पानी की वजह से पूरे भारत में चर्चा का विषय बन गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में स्वच्छ पानी जनता का मौलिक अधिकार है और इससे किसी भी हाल में समझौता नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि यदि भविष्य में आवश्यकता पड़ी तो दोषी अधिकारियों पर सिविल और क्रिमिनल लायबिलिटी भी तय की जाएगी। साथ ही संकेत दिए गए कि अगर पीड़ितों को मुआवजा कम मिला है तो उस पर भी अदालत उचित निर्देश जारी करेगी।

- **मरीजों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश–** कोर्ट ने दूषित पानी से प्रभावित मरीजों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा इस पूरे मामले में हुई मौतों को लेकर विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की गई है। अगली सुनवाई 15 जनवरी को होगी, जिसमें मुख्य सचिव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया कि दूषित पानी पीने से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल 110 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि कुल 421 मरीजों को अब तक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से 311 मरीज डिस्चार्ज हो चुके हैं। आईसीयू में 15 मरीजों का इलाज जारी है। वहीं उल्टी-दस्त के 38 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 6 मरीजों को अरबिंदो अस्पताल रेफर किया गया है।

- **प्रशासन शिकायतों पर ध्यान देता तो मौतें नहीं होती–** याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि 31 दिसंबर 2025 को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्रभावित इलाकों में अब भी दूषित पानी की सप्लाई की जा रही है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि प्रशासन ने पहले की गई शिकायतों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया, यदि ऐसा किया जाता तो यह स्थिति पैदा ही नहीं होती। सीनियर काउंसिल ने कोर्ट को यह भी बताया कि वर्ष 2022 में महापौर द्वारा नई पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन फंड जारी न होने के कारण अब तक काम शुरू नहीं हो सका। इसके अलावा यह भी दलील दी गई कि 2017-18 में इंदौर के विभिन्न क्षेत्रों से लिए गए 60 पानी के सैंपलों में से 59 पीने योग्य नहीं पाए गए थे। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस रिपोर्ट के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि वे इस मामले में अपना विस्तृत जवाब दाखिल करें और एक नई स्टेटस रिपोर्ट पेश करें। कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल का अधिकार भी शामिल है और इसकी अनदेखी गंभीर विषय है।

- **मृतकों के परिजनों से मिले कांग्रेसी, छावनी बना भागीरथपुरा–** वहीं दोपहर करीब एक बजे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की अगुआई में कार्यकर्ता भागीरथपुरा पहुंचे। यहां पहले से बड़ी संख्या में पुलिस बल वज्र वाहन सहित तैनात था। भागीरथपुरा घुसने वाले सभी रास्तों को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। इस दौरान कांग्रेस नेताओं की पुलिस अधिकारियों से बहस भी हुई। बाद में दूसरे रास्ते से कांग्रेसी अंदर पहुंच गए। वहां मृतक अशोक लाल पवार, जीवन लाल और गीता बाई के घर गए। परिजनों से चर्चा की। इसके बाद करीब 3 बजे भागीरथपुरा से लौट गए। पत्रकारों से बातचीत में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर का प्रभारी मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और महापौर पुष्यमित्र भार्गव से इस्तीफा मांगा।

सिद्धारमैया कर्नाटक के सबसे लंबे कार्यकाल वाले सीएम बनेंगे

- रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक दिन दूर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बनने जा रहे हैं। वे 7 जनवरी को यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद पर 2,792 दिन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। देवराज उर्स ने 1972-77 और 1978-80 के बीच दो कार्यकाल में मुख्यमंत्री के रूप में काम किया था। उन्हें सामाजिक न्याय और भूमि सुधारों का प्रमुख चेहरा माना जाता है। सिद्धारमैया उर्स के

बाद ऐसे इकलौते मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने पांच साल का पूर्ण कार्यकाल पूरा किया। सिद्धारमैया का पहला कार्यकाल 13 मई 2013 से 15 मई 2018 तक 1,829 दिनों का रहा। दूसरे कार्यकाल में, 20 मई 2023 से अब तक वह 963 दिन पूरे कर चुके हैं। सिद्धारमैया ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कर्नाटक में समाजवादी विचारधारा के साथ की। वे पहले जनता दल से जुड़े और राज्य की राजनीति में सक्रिय हुए।

बिहार कि राजधानी पटना में खुले में थूका तो अब भरना पड़ेगा हर्जाना

बिहार, ब्यूरो पटना। बिहार। पटना में अब खुले में थूकना आसान नहीं रहेगा। शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए पटना नगर निगम ने सख्त कदम उठाए हैं। पान, गुटखा या किसी भी तरह की चीज खाकर सार्वजनिक जगह पर थूकते पकड़े जाने पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

नगर निगम की नई व्यवस्था के तहत नियम तोड़ने वालों की तस्वीरें शहर में लगी वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले (ङ्कस्ङ्ख) स्क्रीन पर दिखाई जाएंगी। ऐसे लोगों को ÷नगर शत्रु÷ की श्रेणी में रखा जाएगा, ताकि आम लोगों में जागरूकता फैले और गंदगी पर रोक लगे।

शहर में लगे लगभग 3300 सीसीटीवी कैमरों की मदद से निगरानी की जा रही है। ये कैमरे इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (द्बष्टष्टष्ट) से जुड़े हैं। खुले में थूकने और पेशाब करने वालों की पहचान कैमरों के जरिए की जाएगी और निगम की टीम मौके पर ही कार्रवाई करेगी।

पटना जंक्शन को मल्टी मॉडल हब से जोड़ने वाली भूमिगत सब-वे में अब तक करीब 250 लोगों से जुर्माना वसूला जा चुका है। दिसंबर महीने में सबसे ज्यादा कार्रवाई हुई, जब 156 लोग थूकते हुए पकड़े गए। सब-वे क्षेत्र में थूकने पर 1000 रुपये तक का जुर्माना तय किया गया है।

नगर आयुक्त यशपाल मीणा के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम का कहना है कि पान-गुटखा थूकने से शहर की सुंदरता बिगड़ रही है और कई इलाकों में गंदगी के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। इन्हें रोकने के लिए यह सख्ती जरूरी थी।नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छ पटना बनाने में सहयोग करें। अगर कोई व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर गंदगी फैलाता नजर आए, तो इसकी सूचना टॉल फ्री नंबर 155304 पर दी जा सकती है। निगम का मानना है कि इस पहल से पटना की स्वच्छता रैंकिंग और शहर की छवि दोनों बेहतर होंगी।

नशा मुक्त भारत' अभियान को मिली नई गति, न्यायिक अधिकारियों व स्वयंसेवी संस्थाओं ने निकाली प्रभात फेरी

साहिबगंज , ब्यूरो ओम प्रकाश/

साहिबगंज। साहिबगंज जिला में नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में साहेबगंज में व्यापक जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार ङ्क झालसा , रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय परिसर से एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।यह प्रभात फेरी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण - नालसा की 'ष्ठ्रङ्खह्र (ष्ठह्म्ह्वद्द 2ड्ढह्म्ड्डठ्ठद्गह्यह्य ड्डठ्ठस्र ङ्खद्गद्यद्यठ्ठद्गह्यह्य ह्ड्ड1द्बद्दड्डह्लद्बश्ठ्ठ ङ्क स्नश्ह- ड्ड ष्ठह्म्ह्वद्द स्नह्म्द्गद्ग ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड) योजना, 2025' के अंतर्गत मनाए जा रहे जागरूकता सप्ताह का हिस्सा है। डालसा के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने जानकारी दी कि यह जागरूकता अभियान 12 जनवरी, 2026 तक चलेगा, जिसका समापन राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक इसका संदेश प्रभावी रूप से पहुँच सके। प्रभात फेरी का नेतृत्व प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय संजय कुमार उपाध्याय ने किया। इसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सिंधु नाथ लमाये, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अभिषेक कुमार, डालसा के सचिव विश्वनाथ भगत, सीनियर सिविल जज श्री आलोक मरांडी, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री प्रेम नाथ तिवारी, चीफ लीगल एड डिफेन्स काउंसिल श्री अरविन्द गोयल एवं उनकी टीम, न्यायालय के अधिकारी-कर्मी, पारा लीगल वालंटियर्स तथा स्वयंसेवी संस्था 'मंथन' के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।प्रभात फेरी के दौरान प्रतिभागियों ने जीवन को हाँ कहें, ड्रग्स को ना , नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साहेबगंज जिले को 'नशा मुक्त जिला' बनाने के संकल्प के प्रति समाज को जागरूक करना और युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर बताया गया कि ष्ठ्रङ्खह्र योजना के तहत नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए कानूनी सहायता, जन-जागरूकता, पुनर्वास सेवाएँ और सामुदायिक सहभागिता को एकीकृत रूप से लागू किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जेवरात दुकान में चोरी मामले में जांच जारी

धनबाद, एजेंसी। महुदा बाजार स्थित लक्ष्मी ज्वेलरी दुकान में शनिवार की रात हुई चोरी मामले में पुलिस को अब तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। दुकान के पीछे इंडेन गैस एजेंसी में लगे सीसीटीवी कैमरे फुटेज की जांच में रात करीब 2:18 बजे छह नकाबपोश लोग दुकान की ओर जाते दिख रहे हैं, लेकिन उनकी अब तक पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस टेक्निकल सेल की मदद से छानबीन कर रही है। रविवार को खोजी कुत्ता की निशानदेही पर हिरासत में लिये गये लोगों से पूछताछ जारी है। सोमवार को प्रशिक्षु आइपीएस अंकित सिन्हा महुदा थाना पहुंचे। उन्होंने महुदा थाना प्रभारी ललित रंजन भगत, इंस्पेक्टर रंजीत कुमार व एसआइ कमलेश सिंह के साथ घटनास्थल का जायजा लिया। दुकानदार से पूछताछ भी की। दुकान का निरिक्षण किया। महुदा बाजार में लगे कई सीसीटीवी कैमरे का फुटेज खंगाला। इस संबंध में महुदा थाना में कांड संख्या 1/26, धारा 334(1), 303(2) बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

घर में घुसकर मारपीट व लूटपाट का आरोप

धनबाद, एजेंसी। बाघमारा थाना क्षेत्र की माटीगढ़ा डैम कॉलोनी निवासी एक महिला ने जमुना तुरी, उनकी पत्नी मीना देवी, बेटी ज्योति कुमारी, खूशबु देवी, प्रिया देवी, खूशबु के पुत्र राजकुमार तुरी सहित अन्य सात अज्ञात के खिलाफ घर में घुसकर हमला करने, छेड़ख़ानी व लूटपाट का आरोप लगाया है। शिकायत पर बाघमारा थाना में बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में महिला ने कहा है कि आरोपियों पर एकमत होकर जबरन घर में घुसने और मारपीट का आरोप लगाया है। बक्सा से 18000 हजार रुपये लूटने का आरोप भी लगाया है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है।

पंप ऑपरेटर की मौत, नियोजन को लेकर प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। बीसीसीएल गोविंदपुर एरिया अंतर्गत महेशपुर कोलियरी में पंप ऑपरेटर पद पर कार्यरत 58 वर्षीय जलाल मियां की रविवार की देर शाम इलाज के दौरान मौत हो गयी। सूचना मिलते ही सोमवार को मृतक के परिजन शव लेकर महेशपुर कोलियरी पिट पहुंचे और आश्रित को नियोजन सहित मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान एटक के शाखा सचिव नेपाल रवानी के नेतृत्व में प्रबंधन से वार्ता हुई। वार्ता में मृतक की पत्नी सुमरत बीवी की उम्र अधिक होने के कारण नियोजन पर सहमति नहीं बन पायी। इसके बाद परिजन शव लेकर पैतृक गांव पश्चिम बंगाल के पुरुलिया रवाना हो गये। बताया जाता है कि जलाल मियां शनिवार को द्वितीय पाली की ड्यूटी समाप्त कर देर रात करीब 12 बजे डोमगढ़ा स्थित अपने आवास लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गयी। रविवार सुबह उन्हें इलाज के लिए धनबाद सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी स्थिति गंभीर देख कोलकाता रेफर कर दिया। कोलकाता ले जाने के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गयी। वार्ता में परियोजना पदाधिकारी विजय कुमार एवं प्रबंधक नारायण हांसदा मौजूद थे।

तबीयत बिगड़ने पर प्रवासी मजदूर को भेजा घर, मौत

धनबाद, एजेंसी। पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र की लटानी पंचायत के बामनबाद गांव के सोगेडीह टोला निवासी प्रवासी मजदूर राजेश भोक्ता (45) की मौत हो गयी। बताया जाता है कि 15 दिन पहले राजेश रोजगार की तलाश में पटना गया था। पटना के मोकामा के फतुहा थाना क्षेत्र स्थित कालिंजी स्टील फैक्ट्री में काम कर रहा था। शनिवार को उसकी तबीयत बिगड़ गयी। कंपनी के सुपरवाइजर ने उसकी हालत गंभीर देख एंबुलेंस की व्यवस्था कर घर भेज दिया। इधर, रविवार की रात जैसे ही राजेश घर पहुंचा, उसकी मौत हो गयी। सोमवार को सूचना पाकर लटानी के मुखिया मो ऐनुल हक व थाना प्रभारी रवि कुमार सोगेडीह पहुंचे और परिजनों के अनुरोध पर दुरभाष पर कंपनी प्रबंधन से बात कर मुआवजे की मांग की। इस पर कंपनी ने मुआवजा के तौर पर डेढ़ लाख रुपये भेजा। राजेश की मौत के बाद उसकी पत्नी व अन्य सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल है।

हॉस्टल की बालकनी से संदिग्ध अवस्था में गिरा बीआइटी सिंदरी का छात्र, गंभीर

धनबाद, एजेंसी। बीआइटी सिंदरी में हॉस्टल की बालकनी से गिरकर बीटेक प्रथम वर्ष का एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना सोमवार पूर्वाह्न लगभग 11:30 बजे की है. घायल अस्मित कुमार साइबर सिक्युरिटी ब्रांच का छात्र है. वह हॉस्टल नंबर-29 में रहता है. स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद उसके परिजन बेहतर इलाज के लिए उसे बोकारो लेकर चले गये. अस्मित बोकारो जिले के चास का रहनेवाला है. हादसे की सूचना मिलने पर निदेशक डॉ पंकज राय, जनरल वार्डन मनोज कुमार समेत कई पदाधिकारी हॉस्टल पहुंचे और अस्मित को बलियापुर के एक निजी हॉस्पिटल पहुंचाया. अस्पताल के एमओ डॉ सीजी शाहा ने बताया कि घायल छात्र को दोपहर 12 बजे बेहोशी की हालत में लाया गया. जनरल वार्डन मनोज कुमार ने बताया कि घटना पूर्वाह्न 11.25 से 11.30 के बीच घटी. हॉस्टल नंबर 29 चार मंजिला है. अस्मित ग्राउंड फ्लोर पर कमरा नंबर ए -08 में रहता है. उसे हॉस्टल की छत से गिरते किसी ने नहीं देखा. नीचे जोरदार आवाज होने पर हॉस्टल के सेवकों की नजर उस पर पड़ी और अधिकारियों को सूचना दी. संभावना जतायी जा रही है कि अस्मित दूसरे तल्ले से गिरा होगा. घटना की सूचना मिलने पर चास निवासी छात्र के पिता नरेश कुमार हॉस्पिटल पहुंचे और अस्मित को बेहतर इलाज के लिए बोकारो ले गये. डॉ सीजी शाहा के अनुसार, अस्मित कुमार की हालत स्थिर है.

110 जगहों पर लगा अपहृत भाई-बहन का पोस्टर,

पीड़ित परिवार की पुरानी दुश्मनी खंगाल रही पुलिस

रांची, एजेंसी। धुर्वा थाना क्षेत्र के मौसीबाड़ी मल्लार कोचा स्थित घर से अपहृत नाबालिग भाई-बहन का सोमवार को भी सुराग नहीं मिला। पुलिस ने अब अपहृत नाबालिग भाई-बहन का सोमवार को 110 से ज्यादा जगहों पर पोस्टर लगाए हैं, ताकि कुछ जानकारी मिल सके।

इसके अलावा पीड़ित पिता सुनील कुमार व उसके परिवार वालों का पुलिस ने अब पुरानी दुश्मनी भी खंगालना शुरू कर दिया है। बिहार के पटना स्थित मनेर थाने से संपर्क किया गया है। पुलिस जांच में इस बात की जानकारी मिली है कि वहां पीड़ित पिता का कुछ लोगों से वर्ष 2023 में विवाद हुआ था, जिसके बाद इनके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। ऐसे में पुलिस अब इस एंगल से भी जांच करना शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है कि पीड़ित पिता से पुरानी दुश्मनी के बाद ही किसी ने उनके बच्चे का अपहरण किया है। फिलहाल टेक्निकल टीम की मदद से पूरे मामले की जांच की जा रही है। मालूम हो कि शुक्रवार की शाम मल्लार कोचा स्थित अपने घर से 7 साल का अंश कुमार अपनी 6 साल की बहन अंशिका कुमारी के साथ दुकान से चूड़ा व ब्रेड लेने की बात कहकर निकला था। नाबालिग भाई-बहन जब काफी देर तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने धुर्वा थाने को जानकारी दी गई। अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस तुरंत बच्चे की तलाश शुरू कर दी।

3 दिन बाद भी जब सुराग नहीं मिला तो 51 हजार इनाम की घोषणा की गई। हालांकि, इसके बाद भी अपहृत नाबालिग भाई-बहन की जानकारी नहीं मिली है। पीड़ित पिता सुनील कुमार ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि उनके अपहृत बच्चे को ढूंढने में सख्ती नहीं दिखाई जा रही है। अपहृत बच्चा किसी पूंजीपति का होता तो पुलिस तुरंत उसे बरामद कर लेती। पीड़ित पिता ने यह भी कहा कि पूछताछ व सत्यापन के नाम पर पुलिस सिर्फ लोगों से नाम व उसका पता पूछ रही है।

इधर, राजद नेता कैलाश यादव ने पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। कहा कि अगर अपहृत बच्चे को बरामद नहीं किया गया तो मंगलवार को बैठक कर आंदोलन की रणनीति बनाएंगे। अपहृत नाबालिग भाई-बहन का 4 दिनों बाद भी सुराग नहीं मिलने के बाद पुलिस जांच तेज कर दी है। एसएसपी के निर्देश पर एसआईटी का गठन किया है। अलग-दिया है। रांची में रहने वाले वैसे बच्चा चोर का लिस्टिंग किया जा रहा है, जो पहले जेल जा चुका है। बच्चा चोरी के आरोप में पहले इचागढ़ से जेल गया मौसीबाड़ी स्थित मल्लार कोचा निवासी मंद पुरन मलार को पुलिस उसके घर से सोमवार को पकड़ कर 3 घंटे तक थाने में पूछताछ की। हालांकि, कड़ाई से पूछताछ किए जाने के बाद भी वह अपहृत नाबालिग भाई-बहन के बारे में जानकारी नहीं दे पाया।

रांची में लापता भाई-बहन का मामला, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने सीएम हेमंत सोरेन से की बात

रांची, एजेंसी। धुर्वा के मौसीबाड़ी क्षेत्र से चार दिन से लापता दो मासूम बच्चों का मामला अब गंभीर होता जा रहा है। अंश और अंशिका नामक भाई-बहन दो जनवरी से लापता हैं, लेकिन अब तक रांची प्रशासन उन्हें ढूंढने में सफल नहीं हो सका है। बच्चों के लापता होने से परिजनों में गहरा आक्रोश और चिंता व्याप्त है।

इस मामले में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने संज्ञान लिया है। सोमवार सुबह उन्होंने बच्चों के स्वजनों से फोन पर बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सेठ ने रांची के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से भी बात कर बच्चों की तलाश तेज करने और मामले को प्राथमिकता से लेने का निर्देश दिया।

सेठ ने बताया कि वह फिलहाल दिल्ली प्रवास पर हैं, लेकिन रांची लौटते ही परिजनों से मिलकर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि इस गंभीर मामले को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी बातचीत की गई है और उनसे प्रशासन को जल्द से जल्द बच्चों को खोजने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि प्रशासन बच्चों की तलाश में और तेजी लाएगा। फिलहाल स्वजन प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं और जल्द सुरक्षित बरामदगी की मांग कर रहे हैं।

झारखंड में बढ़ा ग्राउंडवाटर का भंडार, 2026 में जलस्तर बनाए रखने की चुनौती

रांची, एजेंसी। नए साल में झारखंड में भूगर्भजल के संरक्षण के प्रयास तेज होंगे। पेयजल स्वच्छता विभाग, नगर निकाय, स्थानीय प्रशासन सब मिलकर राज्य के भूगर्भजल स्तर को बचाने का प्रयास 2026 में करेंगे।

मानसून में हुई औसत से 15 प्रतिशत अधिक बारिश ने राज्य के जलस्रोत में बढ़ोतरी की है। 7046 क्यूबिक मीटर का जल भंडार बढ़कर आठ हजार क्यूबिक मीटर तक पहुंचा है। केंद्रीय भूगर्भ जल संस्थान के सहायक परामर्शी विनय मिश्रा ने बताया कि इस भंडार को बचाने के किए कृषि कार्य में डीप बोरिंग के जल का प्रयोग रोकना होगा।

इसके साथ ही साल 2026 में वर्षा जल संरक्षण के प्रयास तेज करने होंगे। तालाबों समेत छोटे बड़े बांधों के जलग्रहण क्षेत्र को बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर नए साल में वाटर रिचार्ज सिस्टम को दुरुस्त करने में लगेंगे। इससे जलस्तर बना भी रहेगा और रिचार्ज भी होता रहेगा।

जल संसाधन विभाग से सेवानिवृत अभियंता कुशध्वज महतो ने बताया कि झारखंड जैसे राज्य में पठारी संरचना होने से कच्चे चेकडैम जल संरक्षण में सहायक हैं। उन्होंने कहा कि 2026 में कच्चे चेकडैम बनाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के अलावा निजी प्रयास पर भी जोर देना होगा।

इसके लिए सहायता राशि देकर कच्चे चेकडैम को प्रोत्साहन देना होगा। इससे राज्य का जलभंडार बरकरार रहेगा। उन्होंने बताया कि भारी बारिश का चक्र राज्य में दस से पंद्रह साल के अंतराल पर आता है। मानसून की बारिश को संजोकर इस भंडार को बनाए रखना होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का झारखंड दौरा, मतदाता सूची शुद्धिकरण और निष्पक्ष चुनाव पर जोर

रांची, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दो दिनों के दौरे पर झारखंड में हैं। सोमवार को उन्होंने देवघर और दुमका के बूथ लेवल अधिकारियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वच्छ और निष्पक्ष मतदान तभी संभव है, जब मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और पारदर्शी हो। बीएलओ को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव प्रक्रिया की बारीकियों पर चर्चा की और बताया कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून से नहीं, बल्कि ईमानदार मतदाता सूची से होती है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी सबसे मजबूत नींव मतदाता सूची ही है।

देवघर में मीडिया से बातचीत के दौरान ज्ञानेश कुमार ने झारखंड के राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त और जिला प्रशासन की खुले तौर पर सराहना की। उन्होंने कहा कि पारदर्शी चुनाव और मतदाता सूची के शुद्धिकरण को लेकर यहां कोई कोताही नहीं बरती जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दो टूक कहा कि मतदाता सूची में किसी भी गैर-नागरिक का नाम होना संविधान के खिलाफ है। इसी को ध्यान में रखते हुए देश के 12 राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की शुरुआत की गई है, जिसे आने वाले समय में पूरे देश में लागू किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल पात्र भारतीय नागरिकों को ही मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी बीएलओ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि मतदाता सूची शुद्धिकरण की प्रक्रिया सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर पूरी सख्ती और पारदर्शिता के साथ लागू हो। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि फिलहाल बिहार सहित 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है, जिसमें प्रशासन द्वारा सूची तैयार करने के बाद दावा (क्लेम), आपत्ति और अपील के लिए पर्याप्त समय और अवसर दिए जाते हैं। एक महीने तक निरीक्षण और अपील का विकल्प भी खुला रहता है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मतदाता का भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है और इसी संवैधानिक प्रावधान के तहत मतदाता शुद्धिकरण का यह अभियान देशभर में तेज किया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने अंत में कहा कि शुद्ध मतदाता सूची के साथ ही देश लोकतंत्र के अगले पर्व-चुनाव-को पूरी मजबूती और विश्वास के साथ मनाएगा।

रामगढ़ के कुजू में बालू कारोबारी के घर फायरिंग

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र स्थित नया मोड़ इलाके में सोमवार की देर शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बालू कारोबारी डब्बू सिंह उर्फ सागर सिंह के आवास पर नकाबपोश अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। बाइक पर सवार दो अपराधियों ने घर को निशाना बनाया। उन्होंने करीब 7 से 10 राउंड गोलियां चलाईं। फायरिंग की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा। आसपास के लोग घरों में दुबक गए। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने या जान-माल का नुकसान नहीं है, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

गेट, खिड़की और गाड़ी पर लगी गोलियां : सूत्रों के अनुसार, अपराधियों की ओर से चलाई गई गोलियों में चार गोलियां आवास के मुख्य गेट पर, दो गोलियां पार्किंग में खड़ी महिंद्रा थार गाड़ी पर, जबकि एक गोली घर की खिड़की में लगी है। यह घटना कुजू सीसीएल क्षेत्रीय चिकित्सालय कार्यालय के समीप हुई। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। बाद में घटनास्थल से राहुल दुबे गिरोह के नाम का एक हस्तलिखित लेवी पर्चा भी बरामद हुआ। पर्चे में बालू कारोबारी से 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। रकम नहीं देने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है।

बालू टेंडर को लेकर चलाई गोलियां : पीड़ित डब्बू सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्होंने हाल ही में रामगढ़ जिले का बालू टेंडर लिया है। इसके बाद से ही राहुल दुबे गिरोह की ओर से लगातार हर महीने 10 करोड़ रुपए की मांग की जा रही थी। सोमवार की देर शाम इसी दबाव और रंगदारी को लेकर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही कुजू ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू की। घटनास्थल से गोलियों के खोखे बरामद किए गए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मौके पर पहुंचे रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द ही अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

26 जनवरी को दिल्ली में दिखेगी कड़शा नृत्य की झांकी

गुमला, एजेंसी। इस वर्ष दिल्ली में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस का समारोह गुमला जिला के लिए गर्व की अनुभूति कराएगा। वजह है, भारत की राजधानी दिल्ली के लाल किला के ग्राउंड में होने वाले ऐतिहासिक गणतंत्र दिवस की परेड में झारखंड की बहुचर्चित लोक नृत्य शैली कड़शा की झांकी को शामिल करना।

झारखंड के गुमला जिला के भरनो निवासी प्रसिद्ध लोक गायिका सहशिक्षिका सुषमा नाग के नेतृत्व में 30 कलाकारों का दल 7 जनवरी को गुमला जिला के भरनो से दिल्ली के लिए रवाना होगी। इसमें भरनो, सिसई, बसिया, चैनपुर सहित कई प्रखंडों के महिला, पुरुष कलाकार भाग लेंगे।

भरनो मुख्यालय स्थित अमनपुर निवासी बहुमुखी प्रतिभा की धनी सुषमा नाग अपनी प्रतिभा से कई बार गुमला जिला को गौरवान्वित किया है, परंतु इस बार की उपलब्धि और बड़ी है। भारत सरकार के कला संस्कृति मंत्रालय के निमंत्रण पर कड़शा नृत्य में महारत सुषमा नाग झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी।

26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस समारोह स्थल लाल किला में प्रस्तुत होने वाले कड़शा नृत्य की झांकी को लेकर कलाकार खासे उत्साहित हैं। युद्धस्तर पर तैयारी की जा रही हैं। सुषमा नाग ने बताया कि झारखंड की लोक संस्कृति की अद्भुत नृत्य शैली कड़शा है।

उन्होंने कहा- यह झारखंड की संस्कृति, सभ्यता, समृद्धि एवं पारंपरिक जीवन शैली को प्रदर्शित करती है। गणतंत्र दिवस समारोह में कड़शा नृत्य शैली की झांकी दिखलाने का मौका मिला है। झारखंडी नृत्य शैली को वैश्विक पहचान मिलेगी और झारखंडी सभ्यता संस्कृति को पूरी दुनिया के लोग देखेंगे।

कड़शा का अर्थ कलश होता है, जो उरांव जनजाति का प्रतीक चिन्ह है। इस नृत्य को अतिथियों के आगमन पर विशेष तौर पर आयोजित किया जाता है।

इसमें कलश में नए धान की गुथी हुई बाली को डालकर पारंपरिक वेशभूषा में आदिवासी महिलाओं द्वारा अभिवादन किया जाता है, जो एकता पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक होता है। उरांव जनजाति नृत्य शैली विभिन्न मौसमी रागों पर आधारित नृत्य शैली होती है। सुषमा नाग ने बताया कि रायपुर में 2021 में आयोजित जनजाति लोक नृत्य में इस नृत्य को प्रस्तुत किया गया था। जहां उनकी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था।

कोडरमा में राशन दुकान से लाखों की चोरी, सुबह दुकान खोलने पर सामने आई घटना

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत बंधन चौक स्थित एक राशन दुकान में बीती रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखे 1 लाख 52 हजार रुपए नकद पर हाथ साफ कर दिया।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है, वहीं दुकानदार और स्थानीय लोग दहशत में हैं। राशन दुकान के संचालक खुर्शीद आलम ने बताया कि सोमवार की देर रात रोज की तरह दुकान बंद कर वे अपने घर चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वे दुकान खोलने पहुंचे, तो देखा कि दुकान के दोनों ताले टूटे हुए थे। शटर का लॉक भी खुला हुआ था। यह देख वे घबरा गए और तुरंत दुकान के अंदर जाकर जांच की।

गल्ले से गायब मिले 1.52 लाख रुपए

दुकान के भीतर जाने पर खुर्शीद आलम ने पाया कि गल्ले में रखे 1 लाख 52 हजार रुपए नकद गायब हैं। उन्होंने आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी ने भी रात में संदिग्ध गतिविधि या चोरी की घटना से जुड़ी कोई जानकारी होने से इनकार किया।

इसके बाद पीड़ित दुकानदार ने मरकच्चो थाना पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही मरकच्चो पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने टूटे ताले और शटर की जांच की है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

पश्चिमी सिंहभूम में हाथियों का आतंक,

एक ही परिवार के 3 लोगों को कुचला, अब तक 9 की गई जान

गोइलकेरा, एजेंसी। गोइलकेरा में पगलाए जंगली हाथी ने एक ही परिवार के तीन लोगों की जान ले ली। प्रखंड के आराहासा पंचायत अंतर्गत सोवां गांव में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात हाथी के हमले में एक व्यक्ति और उसके दो बच्चों की मौत हो गई। मृत बच्चों में एक साल का बेटा और तीन साल की एक बेटी है। वहीं, मृतक की पत्नी ने एक दुधमुंही बच्ची के साथ भागकर किसी तरह अपनी जान बचा पाई। हाथी के हमले से अब तक सारंडा, पोड़ाहाट और कोल्हान वन प्रमंडल के अलग अलग गांवों में नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं, गोइलकेरा प्रखंड के सायतबा, किंतापी और बिला गांव में एक एक व्यक्ति को मौत की नींद सुलाने के बाद लगातार चौथे दिन हाथी ने सोवां में एक ही परिवार के तीन लोगों को मार डाला।

जानकारी के अनुसार वन विभाग सोमवार देर रात हाथी को ट्रैक कर उसे जंगल की ओर भगाने का अभियान चला रहा था। इसी दौरान विभाग को सूचना मिली कि हाथी को बाईहातु के पास देखा गया है। टीम के वहां पहुंचने पर पता चला कि सोवां में हाथी ने एक परिवार पर हमला कर दिया है।

वन विभाग के कर्मी मशाल लेकर टुंगरी पर स्थित झोंपड़ी तक पहुंचे। जहां हाथी के हमले में एक व्यक्ति और उसके बच्चे की मौत हो चुकी थी, जबकि एक बेटी घायल अवस्था में थी और उसकी सांसें चल रही थी।

उसे बचाने के लिए देर रात ही विभाग द्वारा मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार में पांच लोग थे और वे टुंगरी पर झोंपड़ी बनाकर रहते थे। आसपास कोई बस्ती नहीं थी, जिससे हाथी के हमले के दौरान उन्हें कोई मदद नहीं मिल सकी। घटना से पूरे इलाके में दहशत है।

निगरानी में जुटा वन विभाग, अंधेरे में हो परेशानी :

हाथी को सुरक्षित और सघन जंगल में भगाने के लिए वन विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इसमें पश्चिम बंगाल से आई एक्सपर्ट की टीम भी है। सोमवार की रात वन विभाग का 25 सदस्यीय दल हाथी को ट्रैक करने में जुटा था। इसी दौरान सोवां गांव में यह दर्दनाक हादसा हो गया।

टीम मौके पर पहुंची लेकिन तमाम प्रयास के बावजूद घायल बच्ची को बचाया नहीं जा सका। वहीं, सुदूर क्षेत्र में सड़कों की खराब हालत और अंधेरे के चलते अभियान में परेशानी आ रही है। हाथी के हमले के बाद देर रात अभियान रोक कर बच्ची को अस्पताल ले जाया गया था। सुबह फिर से अभियान की शुरुआत की गई है।

संक्षिप्त समाचार

झामुमो कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों के सुख-दुख में साथ खड़ी है : विनोद

रांची, एजेंसी। झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों के सुख-दुख में उनके साथ है। कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है। पांडेय सोमवार को बुंडू से आए पार्टी कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों के साथ झामुमो के कैंप कार्यालय में बात रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ होते हैं। झामुमो महासचिव ने क्षेत्र में संगठन की मजबूती पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस दौरान कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों ने अपनी समस्याओं को भी रखा। विनोद पांडेय ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार तक उनकी बात पहुंचायी जाएगी और समस्याओं का समाधान होगा। सरकार समाज के हर वर्ग की उन्नति और प्रगति को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है।

अपराधियों ने ट्रांसफॉर्मर व पंप का केबल काटा

धनबाद, एजेंसी। इसीएल मुगमा क्षेत्र अंतर्गत सेंट्रल पुल साइडिंग स्थित सब स्टेशन में ट्रांसफॉर्मर तथा खुदिया कोलियरी में सबमर्सिबल पंप का केबल अपराधियों ने रविवार की रात काट लिया। दोनों जगह 20-20 फीट केबल काटा गया। काटे गये केबल की कीमत लगभग 45 हजार रुपये बताया जा रहा है। इस संबंध में कोलियरी प्रबंधक ने निरसा थाना में अज्ञात अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। सेंट्रल पुल साइडिंग स्थित ट्रांसफॉर्मर का केबल काटने से मुगमा बस्ती, नूतनडीह, वेलचढ़ी में बिजली आपूर्ति ठप है। कर्मियों के अनुसार रात में 20-25 की संख्या में अपराधी पहुंचे और सब स्टेशन में सेंधमारी कर अंदर घुसे और ट्रांसफॉर्मर का केबल काट लिया। इससे बिजली गुल हो गयी। सुरक्षा गार्ड संतोष बाउरी व श्रीराम चौहान ने एरिया सुरक्षा टीम को सूचना दी। टीम के पहुंचते ही अपराधी भाग गये। अपराधियों ने खुदिया कोलियरी रेलवे साइडिंग स्थित सबमर्सिबल पंप का केबल भी काट लिया।

जूनियर मिस इंडिया के ग्रैंड फिनाले में पहुंची रांची की आहाना, जयपुर में दिखेगा झारखंड का हुनर

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची की नन्ही प्रतिभा आहाना सिंह ने अपने आत्मविश्वास और हुनर के दम पर देश के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट 'जूनियर मिस इंडिया-सीजन 4' के ग्रैंड फिनाले में जगह बना ली है। वह अब 6 से 8 जनवरी 2026 तक जयपुर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के फिनाले में का राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। जूनियर मिस इंडिया का ग्रैंड फिनाले जयपुर के आलीशान होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में देशभर से चुनी गई प्रतिभाशाली बच्चियां हिस्सा लेंगी। आहाना 8 से 10 वर्ष की आयु वर्ग की ग्रैंड फाइनलिस्ट के रूप में मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। आहाना सिंह डीपीएस रांची की छात्रा हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वह कला और संस्कृति में भी खास रुचि रखती हैं। इसके अलावा वह नेहरू कला केंद्र से ओडिसी नृत्य का प्रशिक्षण ले रही हैं, जो उनके व्यक्तित्व और मंचीय प्रस्तुति को और भी निखार देता है। जूनियर मिस इंडिया तक का सफर आसान नहीं रहा। आहाना उन चुनिंदा प्रतिभागियों में शामिल हैं, जिन्होंने कड़े ऑडिशन और चयन प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार किया। अपने आत्मविश्वास, मंच पर प्रस्तुति करने की शैली की प्रतिभा के दम पर उन्होंने राष्ट्रीय मंच तक अपनी जगह सुनिश्चित की है। जयपुर में होने वाले ग्रैंड फिनाले के दौरान आहाना को कई चुनौतीपूर्ण और ग्लैमरस राउंड से गुजरना होगा। इनमें प्रमुख रूप से कल्चरल राउंड है, जिसमें वह झारखंड की पारंपरिक संस्कृति और विरासत को मंच पर प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा पार्टी वेस्टर्न वियर राउंड, प्रिंसेस गाउन राउंड में उनकी प्रतिभा, ग्रेस और मंचीय संतुलन को परखा जाएगा।

परमहंस योगानंद की 133वीं जयंती, 10 हजार से अधिक लोगों ने भंडारे में खाया खाना

रांची, एजेंसी। योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया, रांची ने अपने संस्थापक, परमहंस योगानन्द का 133 वां जन्मोत्सव मनाया गया। समारोह का शुभारंभ एक विशेष समूह ध्यान और स्वामी श्रद्धानन्द गिरि की ओर से गुरु : मौन ईश्वर की मुखर वाणी विषय पर एक सत्संग के साथ किया गया। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण योगदा सत्संग ऑनलाइन ध्यान केन्द्र पर श्रद्ध श्रश्व के जरिए किया गया, जिसमें दुनियाभर से हजारों भक्त जुड़े। इसके बाद ब्रह्मचारी भास्करानन्द और कैवल्यानन्द की ओर से संचालित भजनों का उल्लासपूर्ण कीर्तन हुआ। शिव मंदिर में गुरु पूजा और यज्ञ सम्पन्न किया गया। दिन का मुख्य आकर्षण भक्तों के साथ-साथ रांची शहर और आस-पास के गांवों के लोगों के लिए एक भंडारा था। समारोह का समापन शाम को एक विशेष ध्यान के साथ हुआ। योगानंद की ओर से स्थापित यह आध्यात्मिक संस्था हर वर्ष उनके जन्मोत्सव को ध्यान, कीर्तन और इस भण्डारे के साथ मनाती है। हर वर्ष की तरह इस साल भी स्थानीय लोगों और अन्य आगन्तुकों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे शुरू होकर देर शाम तक चला। आश्रम के द्वार पर लम्बी कतारें लगने लगीं ।वाईएसएस के अनेक भक्तों ने उत्साहपूर्वक मेहमानों को खिचड़ी, चटनी और लड्डू का प्रसाद दिया। इस भण्डारे के माध्यम से लगभग 10000 से अधिक लोगों को गुरु प्रसाद ग्रहण किया। दिसम्बर के महीने में आश्रम ने गुरुदेव के सम्मान में सेवा गतिविधियां आयोजित की गई थी, जिसमें अंगड़ा गांव के गरीब और जरूरतमंद निवासियों और रांची में कुष्ठ रोग से प्रभावित कॉलोनी (निर्मल आवास, मुदमा के पास) के लोगों को कम्बल वितरित किया गया। 2 जनवरी को, आश्रम ने रांची में कुष्ठ रोग से प्रभावित कॉलोनी के गरीब और जरूरतमंद निवासियों को भोजन उपलब्ध कराकर इन सेवा गतिविधियों को जारी रखा।

बीजेपी सरकार के खिलाफ झारखंड कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

'मनरेगा बचाओ आंदोलन' शुरू

रांची, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में सोमवार से 'मनरेगा बचाओ आंदोलन' की शुरुआत कर दी है। इस आंदोलन के तहत हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में एकत्र हुए। यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को मनरेगा बचाने की शपथ दिलाई।

इसके बाद कांग्रेस कोटे से मंत्री, विधायक और सांसदों ने केंद्र की बीजेपी सरकार के खिलाफ जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए कांग्रेस नेता नारेबाजी करते हुए लोक भवन की ओर मार्च करते नजर आए। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह मनमानी पर उतर आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों को रोजगार देने वाली मनरेगा योजना का नाम बदलने की कोशिश की जा रही है। यह सरकार सिर्फ नाम बदलने की राजनीति में माहिर है, जबकि जनता के विकास से उसे कोई मतलब नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस गरीबों का अधिकार किसी भी हालत में बीजेपी को छीनने नहीं देगी।

सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि बीजेपी सिर्फ राम के नाम पर राजनीति करती है, जबकि कांग्रेस राम को दिल से मानती है। उन्होंने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि गांधी जी ने निस्वार्थ भाव से आजादी की लड़ाई लड़ी और जब उनकी हत्या हुई तो उनके अंतिम शब्द भी 'हे राम' थे। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर बीजेपी को वास्तव में राम का सम्मान करना है तो उनके नाम पर कोई नई योजना शुरू कर सकती थी, मनरेगा का नाम बदलने की जरूरत नहीं थी।

मंत्री दीपिका पांडेय ने भी मनरेगा योजना का नाम बदलने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह सरकार केवल नाम की राजनीति करती है और राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए योजनाओं की रूपरेखा में बदलाव किया जा रहा है। वहीं सांसद कालीचरण मुंडा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बालमुचू ने कहा कि बीजेपी राम और देवी-देवताओं के नाम पर अलग-अलग माहौल बनाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म का इस्तेमाल केवल राजनीति के लिए किया जा रहा है, लेकिन जनता सब कुछ देख और समझ रही है। इस आंदोलन में पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, इरफान अंसारी, नमन विक्सल कोंगाड़ी, आलोक दूबे, गुंजन सिंह, रामा खालको सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यायिक पदाधिकारियों ने नशे के खिलाफ की पदयात्रा, लोगों को किया जागरूक

धनबाद, एजेंसी। नशा के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से चलाये जा रहे कार्यक्रम ''डॉन'' के तहत सोमवार को धनबाद सिविल कोर्ट के न्यायिक पदाधिकारियों ने पदयात्रा की। इसके माध्यम से आम लोगों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

पदयात्रा धनबाद सिविल कोर्ट परिसर से शुरू होकर आसपास के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः न्यायालय परिसर में पहुंची। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया। मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बाल कृष्ण तिवारी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार व समाज को भी कमजोर करता है। न्यायिक पदाधिकारियों ने आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। वहीं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार समाज में विधिक जागरूकता के साथ सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध लगातार अभियान चला रहा है। पदयात्रा में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री सुभाष, जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष, दुर्गेश चंद्र अवस्थी, पारस कुमार सिन्हा, कमलेश कुमार शुक्ला, विजय कुमार श्रीवास्तव, विकेश राठी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पीएस घोष, अवर न्यायाधीश राजीव कुमार सिंह, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार, मनोज कुमार, विवेक राज, मनोज कुमार, सुरेश उरांव, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, एल ए डीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट आदि शामिल थे।

धनबाद। डालसा धनबाद की ओर से चलाये जा रहे जागरूकता कार्यक्रम पैन इंडिया के तहत सोमवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। नालसा एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बाल कृष्ण तिवारी के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारा संवैधानिक कर्तव्य भी है।

अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को रौंदा

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड में मंगलवार सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सिमरिया के शीला पिकेट लेपो क्षेत्र में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घना कोहरा होने के कारण सड़क पर कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था। तेज रफ्तार वाहन ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मारी, जिससे उसकी तुरंत मौत हो गई। टक्कर के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही शीला पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है, लेकिन मृतक के पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के गांवों के लोगों से मृतक की पहचान करने में सहयोग की अपील कर रही है।

शीला पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश के लिए नाकेबंदी कर दी गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है ताकि आरोपी का पता लगाया जा सके। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि कोहरे के दौरान वाहनों की रफ्तार धीमी रखें और सुरक्षित यात्रा करें। पुलिस मृतक की पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है ताकि उसके परिजनों को सूचित किया जा सके।

जमशेदपुर में युवक पर चापड़ से हमला, मोमोज खाते समय हुआ विवाद

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एग्रिको सिग्नल के पास एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। घटना उस वक्त हुई, जब गोलमुरी गाढ़ाबासा निवासी चंदन कुमार अपने दोस्तों के साथ सड़क किनारे मोमोज खा रहा था। अचानक हुई इस वारदात से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले में चंदन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके दोस्तों ने बिना देर किए उसे टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक बताई है।

पहले समझाने पहुंची पुलिस, टला था विवाद : घायल चंदन कुमार ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह अपने तीन दोस्तों के साथ एग्रिको सिग्नल के पास मोमोज खा रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे और एक अन्य युवक को जबरन अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगे। इस पर चंदन ने विरोध जताया और तुरंत सिदगोड़ा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर वहां से हटा दिया। उस समय मामला शांत हो गया था और लोगों को लगा कि विवाद खत्म हो गया है।

पुलिस के जाते ही दोबारा हमला : हालांकि, पुलिस के वहां से जाने के कुछ ही देर बाद स्थिति फिर से बिगड़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 10 से 12 युवक दोबारा एग्रिको सिग्नल के पास पहुंचे और चंदन को घेर लिया। इसके बाद उसके साथ जमकर मारपीट की गई। इसी दौरान एक हमलावर ने चापड़ से चंदन के दाहिने हाथ पर जोरदार वार कर दिया, जिससे उसे गहरी चोट लगी। काफी खून बहने लगा। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही पूरा घटनाक्रम खत्म हो चुका था।

जांच में जुटी पुलिस, आरोपियों की तलाश तेज : घटना की सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस दोबारा मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है और घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने देर रात इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गिरिडीह में 5 लाख रुपए नकद-जेवरात ले उड़े चोर

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़की सरिया में बीती रात चोरों ने सुनियोजित तरीके से बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने विशेश्वर पासवान के घर में घुसकर करीब 5 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार, देर रात अज्ञात चोर विशेश्वर पासवान के घर में दाखिल हुए। चोरों ने सबसे पहले घर में सो रहे परिवार के सदस्यों के कमरों को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने बगल के कमरे का ताला तोड़ा और वहां रखे बक्सों व अलमारियों की तलाशी ली। चोरों ने बड़ी ही आसानी से नकद और जेवरात समेट लिए और फरार हो गए।

करीब 5 लाख की चोरी को दिया अंजाम : परिजनों के मुताबिक चोर करीब 1 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के कीमती जेवरात ले गए हैं। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 5 लाख रुपए आंकी जा रही है। घर में रखे कई बक्से और अलमारियां टूटी हुई हालत में मिलीं, जबकि सारा सामान बिखरा पड़ा था। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो उन्होंने खुद को कमरों में बाहर से बंद पाया। किसी तरह दरवाजा खोलकर बाहर निकलने पर घर की हालत देख सभी सन्न रह गए। घर की छत पर एक खाली बक्सा मिलने के बाद चोरी की पुष्टि हुई। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस : घटना की जानकारी मिलते ही सरिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घर का निरीक्षण किया, जरूरी साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। चोरों तक पहुंचने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार बड़की सरिया और आसपास के इलाकों में बीते कुछ महीनों से चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात के समय पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं होती, जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं।

गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश उत्सव, रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में धार्मिक कार्यक्रम

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ कैंट स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का प्रकाश उत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर में विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह दीवान से हुई। प्रातः श्री अखंड पाठ साहिब की विधिवत समाप्ति की गई। इसके बाद अरदास हुई और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। प्रकाश उत्सव को लेकर गुरुद्वारा परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था और वातावरण पूरी तरह गुरुबाणी की मधुर ध्वनि से गूंजता रहा।

प्रकाश उत्सव के अवसर पर सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक कीर्तन दरबार सजाया गया। इस दौरान विभिन्न रागी जत्थों ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, त्याग और बलिदान पर आधारित शबद-कीर्तन प्रस्तुत किए। कीर्तन सुनकर संगत भाव-विभोर हो गई। गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से बताया गया कि गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर समाज को समानता, साहस और आत्मसम्मान का संदेश दिया। दोपहर 2:45 बजे कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसके बाद संगत के लिए गुरु का लंगर वितरित किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

प्रकाश उत्सव को लेकर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से पिछले छह दिनों से प्रभात फेरियों का आयोजन भी किया जा रहा था। सुबह-सुबह संगत गुरुबाणी का गायन करते हुए विभिन्न इलाकों से गुजरती थी, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बना रहा। प्रभात फेरियों के माध्यम से गुरु गोविंद सिंह जी के आदर्शों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

रात्रि में भी विशेष दीवान का आयोजन किया गया। शाम 6:15 बजे से रात 10 बजे तक कीर्तन दरबार चला, जिसमें प्रसिद्ध रागी और ग्रंथियों ने गुरु वाणी का कीर्तन किया। इस अवसर पर भाई बलजीत सिंह (पटियाला वाले), भाई सरबजीत सिंह (हजूरी रागी) और भाई विवेक सिंह (हेड ग्रंथी) ने विशेष रूप से संगत को संबोधित किया और गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन से जुड़े प्रसंग साझा किए।

प्रदेश में अगले 2 साल में 60 लाख घरों तक शुद्ध पानी : मंत्री योगेंद्र प्रसाद बोले- पुरानी पाइपें बदली जाएंगी

रांची, एजेंसी। राज्य में अगले दो वर्षों में साठ लाख से अधिक घरों में सीधे पाइप लाइन से जल पहुंचाने की योजना है। खास बात यह है कि नल से घर तक पहुंचने वाला यह जल सीवरेज के संपर्क से दूर रहेगा। इसके लिए समर्पित पाइप लाइन बिछाया जाएगा।

पेयजल स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद का कहना है कि राज्य सरकार नागरिकों को शुद्ध जल घर तक पहुंचाने में लगी है। स्थानीय निकायों को कहा गया है कि पहले से सीवरेज लाइन के संपर्क में जो जलापूर्ति के पाइप हैं, उन्हें बदला जाए।

एक अनुमान के मुताबिक, राज्य में पेयजलापूर्ति करने वाली करीब तीस प्रतिशत पेयजल लाइन को सीवरेज के करीब से गुजारा गया है। इससे संक्रमण का खतरा रहता है। पाइप में लीकेज की स्थिति में यह जल नाली की गंदगी के संपर्क में आ सकता है। लेकिन शहरी और ग्रामीण पेयजलापूर्ति की नई योजनाओं में सीवरेज से दूरी का ध्यान रखा जा रहा है। पेयजल स्वच्छता विभाग के अधिकारी ने बताया कि देवघर, साहिबगंज, पलामू और रांची के कई हिस्सों में पुरानी पाइपें लगी हैं। इनमें कई जगह लीकेज के बाद मरम्मत की गई है। अब विभाग ने इन पाइपों की मरम्मत की जगह नई पाइप लगाने की योजना बनाई है।

विधानसभा में पेयजल स्वच्छता विभाग के बजट में इसके लिए राशि का प्रविधान किया गया है। जल्द ही इसका सर्वे कराकर नई पाइप लगाने का काम पूरा किया जाएगा।

सीजीएल पेपर लीक मामले में हाईकोर्ट का फैसला बरकरार:

पास अभ्यर्थियों को मिलेगी नियुक्ति, परीक्षा नहीं होगी रद

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सीजीएल पेपर लीक मामले में हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दाखिल एसएलपी सोमवार को खारिज कर दी। जस्टिस विश्वनाथ और जस्टिस संदीप कुमार की अदालत ने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट का आदेश बिल्कुल सही है। इसमें हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने सीजीएल पेपर लीक मामले में अपना फैसला सुनाते हुए जांच जारी रखने और अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की गई थी।

कुछ अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कहा था कि हाई कोर्ट का आदेश सही नहीं है। पेपर लीक के साक्ष्य भी थे, लेकिन हाई कोर्ट ने परिणाम जारी कर नियुक्ति करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट से हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया गया था।

झारखंड हाई कोर्ट ने तीन दिसंबर को हाई कोर्ट ने सीबीआइ जांच कराने का आग्रह खारिज करते हुए परिणाम जारी करने की अनुमति दी थी और नियुक्ति करने का निर्देश सरकार को दिया था। कोर्ट ने मामले की जांच के लिए गठित एसआइटी को छह माह में जांच पूरी करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अदालत ने याचिका निष्पादित कर दी।

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया था कि जांच के दौरान जिन 10 अभ्यर्थियों को आरोपित बनाया गया है, उनका रिजल्ट जेएसएससी जारी नहीं करेगा। जांच के दौरान यदि कोई अन्य अभ्यर्थी आरोपित बनाया जाता है, तो उसका परिणाम भी प्रभावित होगा। आयोग उसकी अनुशंसा निरस्त कर सकता है। चयन अभ्यर्थी की ओर से कहा गया कि हाई कोर्ट का आदेश बिल्कुल सही है। उनकी ओर वरीय अधिवक्ता शंकर नारायण और अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा।

सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए प्रार्थी प्रकाश कुमार व अन्य की ओर से हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें सीजीएल परीक्षा निरस्त करने तथा पूरे मामले की सीबीआइ जांच कराने का आग्रह किया गया था। प्रार्थियों का आरोप था कि परीक्षा में पेपर लीक हुआ था। पेपर का सील खुला खुला था, बड़ी संख्या में प्रश्नों को रिपीट करने जैसी गड़बड़ी हुई थी।

सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि परीक्षा में पेपर लीक होने के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। जांच में अभी तक किसी तरह के पेपर लीक की बात सामने नहीं आई है। अलग-अलग तीन वर्षों के कुछ प्रश्नों की पुनरावृत्ति हुई है। इसे पेपर लीक नहीं माना जा सकता है। कुछ गेस क्वेश्चन को पेपर लीक बताया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भोजपुर में फैक्ट्री में चोट लगने से युवक की मौत, क्रेन से लोहा उठाने के दौरान हुआ हादसा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में लोहा फैक्ट्री में चोट लगने से एक युवक की मौत हो गई। काम करने के दौरान हादसा हुआ है। मृतक अशोक स्नेही प्रसाद(39) जलपुरा (बीरमपुर) गांव के रहने वाले थे। फैक्ट्री में ग्राइंडर चलाने का काम करता था। साथ काम करने वाले विनय कुमार ने बताया कि क्रेन से लोहा उठाकर जमीन पर रखा जा रहा था। इस दौरान लोहा छिटककर उनके सिर और पैर पर लग गया। मौके पर मौजूद लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना गीधा थाना क्षेत्र की है। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस टीम अस्पताल पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिवार में पत्नी चंदा देवी, तीन बेटी सीमा, सिमरन, इच्छा और एक पुत्र छोटू कुमार है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

पटना में कोचिंग के लिए निकला छात्र लापता

पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी में कोचिंग के लिए निकला एक नाबालिग छात्र एक सप्ताह से लापता है। छात्र का अब तक कोई सुराग नहीं मिलने से नाराज परिजनों ने रविवार देर रात मसौढ़ी थाना परिसर में प्रदर्शन किया। उन्होंने थाना प्रभारी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मसौढ़ी निवासी किसान चिंटू शर्मा का 17 वर्षीय बेटा रोहित शर्मा, जो इंटर का छात्र है, 29 दिसंबर को घर से कोचिंग के लिए निकला था। इसके बाद से वह अचानक लापता हो गया। परिजन ने उसी दिन मसौढ़ी थाना में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रोहित के पिता चिंटू शर्मा ने बताया कि रोहित उनका इकलौता बेटा है। उन्होंने दावा किया कि घर में किसी बात को लेकर कोई विवाद नहीं हुआ था। सीसीटीवी फुटेज में रोहित को एक जगह सड़क पर जाते हुए देखा गया था, जिसके बाद से उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। प्रदर्शन कर रहे परिजनों का आरोप है कि पुलिस लापता छात्र की सही ढंग से खोजबीन नहीं कर रही है। इस मामले पर मसौढ़ी थाना प्रभारी विवेक कुमार भारती ने बताया कि पुलिस लगातार लापता छात्र की तलाश में छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि घर के लोगों की प्रताड़ना के बाद लड़का अचानक कहीं चला गया है। पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर भी छात्र की तलाश कर रही है और जल्द ही उसका सुराग मिलने की उम्मीद है।

बहादुरगंज के झींगाकाटा हाट में आगजनी, इलाके में मची अफरा तफरी

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज जिले के बहादुरगंज थाना क्षेत्र के महेशबथना पंचायत के वार्ड नंबर 12 स्थित झींगाकाटा हाट में सोमवार को भीषण आग लग गई। इस घटना में चार घर जलकर राख हो गए। आगजनी में आवासीय घरों के साथ-साथ जलावन आदि के घर भी जल गए। इसमें लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर अचानक घरों में आग लग गई थी। आग की लपटों को देख इलाके में अफरा तफरी मच गई। घटनास्थल पर मौजूद आसपास के लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दो परिवारों के आवासीय और जलावन के घर पूरी तरह जल चुके थे। घरों में रखा सारा सामान भी जलकर नष्ट हो गया। जिससे लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। आगजनी से बिल्किस बेगम और हारून के घर प्रभावित हुए हैं। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन दमकल के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था ।ग्रामीणों की त्वरित कार्रवाई से आग को फैलने से रोका जा सका, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। पीड़ितों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। घटना की जानकारी मिलने पर राजस्व कर्मचारी ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया है।

दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग विराट रामायण मंदिर पहुंचा,

17 जनवरी को स्थापना, पूजा के लिए उमड़ी भीड़

5 नदियों के जल से अभिषेक- हेलिकॉप्टर से बरसेंगे फूल

मोतिहारी, एजेंसी। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग पूर्वी चम्पारण के जानकीपुर में बन रहे विराट रामायण मंदिर पहुंच गया है। यहीं पर 17 जनवरी को 5 नदियों के जल से अभिषेक किया जाएगा। हरिद्वार, प्रयागराज, गंगोत्री, कैलाश मानसरोवर, सोनपुर आदि के जल से शिवलिंग का अभिषेक होगा।हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए जाएंगे। इधर, सोमवार को विराट शिवलिंग जैसे ही पूर्वी चंपारण की धरती पर पहुंचा, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थापना से 12 दिन पहले श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का भव्य स्वागत किया। शिवलिंग को लेकर सबसे बड़ी चुनौती डुमरियाघाट थाना क्षेत्र?के रामपुर-खजुरिया ओवरब्रिज को पार करना रहा। इसे पार करने में पांच घंटे लग गए।

कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों की संख्या में भक्त घंटों पहले से सड़क किनारे खड़े होकर शिवलिंग के स्वागत का इंतजार करते नजर आए। डुमरिया घाट पुल पार करते ही चारों ओर हर-हर महादेव के नारे गूंजे। जगह-जगह भव्य स्वागत द्वार बनाए गए थे, फूल-मालाओं और रोशनी से पूरे रास्ते को सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों और शंखनाद के साथ भगवान शिव का अभिनंदन किया। कई स्थानों पर शिवलिंग को कुछ देर के लिए रोका गया, जहां भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना की और

जयकारे लगाए।

हर चौराहे पर पुलिस टीम मौजूद

शिवलिंग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मोतिहारी प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। चकिया के ष्ठस्क संतोष कुमार खुद सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए हैं। उनके नेतृत्व में करीब 150 से अधिक पुलिस बल को तैनात किया गया है। इनमें सीनियर पुलिस अधिकारी से लेकर सिपाही तक शामिल हैं।

सबसे बड़े शिवलिंग पर गोपालगंज में बुलडोजर से बरसे फूल

सोमवार सुबह खबर आई थी कि 210 मीट्रिक वजन वाला शिवलिंग पिछले 2 दिनों से गोपालगंज के बलथरी चेक पोस्ट पर फंसा हुआ है। दरअसल, विशाल आकार और भारी वजन के कारण इसके आगे बढ़ने में परेशानी हो रही थी। शिवलिंग को पूर्वी चंपारण ले जाने के लिए डुमरिया पुल पार करना था।

एनएच-27 पर स्थित डुमरिया पुल लंबे समय से जर्जर है। भारी वाहनों के लगातार परिचालन के कारण पुल कमजोर हो चुका है। शिवलिंग को लेकर जा रहा ट्रक 110 चक्के वाला है, ऐसे में ट्रेलर और शिवलिंग का कुल वजन सैकड़ों टन है। ऐसे में मौके पर इंजीनियर्स की टीम बुलाई गई। फैसला हुआ कि पुल से जब शिवलिंग गुजरेगा दूसरे ट्रैफिक का लोड नहीं होना चाहिए। इसके बाद पुल पर ट्रैफिक को रोककर शिवलिंग को निकाला गया।

गोपालगंज में अलाव से दो घरों में लगी आग, एक बुजुर्ग की जलकर मौत

गोपालगंज, एजेंसी। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के हेमू छपरा गांव में शनिवार की शाम में घर में कमरे में अलाव जलाकर सो रहे एक बुजुर्ग की खाट में आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से बुजुर्ग की झुलसकर मौत हो गई। मृतक स्व. ढोढ़ा राय के 74 वर्षीय पुत्र गुदर राय थे। परिवार के लोगों ने बताया कि घर के समीप ही ट्रैक्टर से मिट्टी भराई का काम चल रहा था। जिसके कारण उनकी आवाज परिवार के सदस्यों तक नहीं पहुंची। परिवार के लोगों की नजर जब तक उन पर पड़ती, तब तक वह झुलस कर गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे।

आनन-फानन में परिवार के सदस्य उन्हें इलाज के लिए लेकर पहले बैकुंठपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे, यहां चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में रेफर कर दिया। इसके बाद परिवार के सदस्य उन्हें लेकर सदर अस्पताल में पहुंचे। यहां चिकित्सकों की टीम ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस तहर बिहार में अलाव और बोरसी से 10 दिन में 9 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी तरह बरौली थाना क्षेत्र के बघेजी गांव में शनिवार की शाम अलाव तापने के दौरान एक घर में आग लग गई। इस अगलगी की घटना में घर में रखे कपड़े, अनाज, फर्नीचर समेत अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गए।

पीड़ित परिवार के अनुसार आग से करीब तीन लाख रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। प्रॉप्त जानकारी के अनुसार बघेजी गांव स्थित पोस्ट आफिस के समीप झुनां सिंह के घर में बोरसी में जल रहे अलाव से निकली चिंगारी ने आग का रूप ले लिया। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलते ही अग्निशमन दस्ता भी घटनास्थल पर पहुंचा। ग्रामीणों व अग्निशमन कर्मियों के संयुक्त प्रयास से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास के अन्य घर भी चपेट में आ सकते थे। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा का मुंगेर में भव्य स्वागत

भागलपुर जाते समय भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया अभिनंदन

मुंगेर, एजेंसी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह राजस्व मंत्री विजय सिन्हा का रविवार देर शाम मुंगेर के जमालपुर प्रखंड अंतर्गत सफियाबाद में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। वे भागलपुर जा रहे थे। इस दौरान जमालपुर प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनीष दयाल गोस्वामी ने उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

स्वागत कार्यक्रम में किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष दशरथ सिंह, प्रखंड महामंत्री प्रेम शंकर पाठक, युवा मोर्चा के प्रेम कुमार सहित साहिल कुमार, आशीष कुमार, सुभाष मंडल, हिम्मत कुशवाहा, सुदर्शन पाठक, सुमित पाठक, प्रशांत कुमार, पूर्व मुखिया इंद्रदेव शाह, सामाजिक कार्यकर्ता शशि शाह, निलेश शाह, पंकज साह, नीरज यादव, पंकज शर्मा, पूर्व वार्ड पार्षद सतीश कुमार और वार्ड सदस्य बबलू ठाकुर समेत कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री का अभिनंदन करते हुए क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा पहली बार सड़क मार्ग से मुंगेर होते हुए भागलपुर जा रहे थे। मुंगेर जिले में कई स्थानों पर उनका भव्य स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-माला, बुके और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि उनका मुंगेर और यहां के कार्यकर्ताओं से पुराना संबंध रहा है। उन्होंने बताया कि भीषण ठंड के बावजूद कार्यकर्ता उनके आगमन का सड़कों पर इंतजार कर रहे थे। सिन्हा ने आश्वासन दिया कि वे जल्द ही मुंगेर के लिए अपना दौरा कार्यक्रम बनाएंगे और अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे।

कार्यकर्ताओं ने फूल-माला, बुके भेंट कर किया सम्मानित

उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद

बेतिया से पटना की राह होगी आसान, अंतिम चरण में भूमि अधिग्रहण, चेक करें सड़क का रूट

मोतिहारी, एजेंसी। बेतिया से पटना तक जाने वाली नई एनएच-139 डब्लयू (फोरलेन) के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। ग्रीनफील्ड में बनने वाली यह नई सड़क लोगों के आवागमन की राह को आसान करेगी। अधिग्रहण अब अंतिम चरण में पहुंच गया है।

शिविर का आयोजन कर रैयतों से आवश्यक कागजात संग्रह करने के बाद भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। बताया गया कि भूमि अधिग्रहण के बाद सड़क निर्माण की राह आसान हो जाएगी। साथ ही लोग नई सड़क का लाभ उठा सकेंगे।

पूर्वी चंपारण जिले में इस सड़क के लिए 34 मौजा में 199.9 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। 30 मौजा में रैयतों को भुगतान हो रहा है। अबतक 4.96 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। चार मौजा में दर का निर्धारण इस माह के अंत तक कर लिया जाएगा।

बताया गया कि बेतिया से आने वाली यह सड़क पहाड़पुर प्रखंड में जिले की सीमा में प्रवेश करेगी, जो अरेराज हरसिद्धि संग्रामपुर केसरिया होते हुए साहेबगंज होते हुए पटना तक जाएगी।

जिले में इस सड़क के लिए 34 मौजा में 199.9 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। 8 से 23 दिसंबर तक शिविर लगाकर

अरेराज से साहेबगंज के बीच केसरिया, हरसिद्धि एवं संग्रामपुर के 20 मौजा में रैयतों से आवश्यक कागजात लिए गए।

केसरिया के ओझवलिया व मनोरछपरा, महम्मदपुर व गोछी, खाप लाला छपरा व ताजपुर पटखौलिया, कुशहर व कुंडवा, रमपुरवा व खिजिपुरा, हुसैनी व रामपुर खजुरिया, हरसिद्धि के चड़रहिया व जागापाकड़, संग्रामपुर के बरियरिया व जलहा, सिकंदरपुर, मुरली निजामत व श्यामपुर के अलावा अरेराज से पहाड़पुर के बीच 13 मौजा शामिल हैं।

पहाड़पुर से अरेराज के बीच 13 गांवों में लोगों दावा एवं आपत्ति प्राप्त कर उनका निराकरण कर दिया गया है। साथ ही दर का निर्धारण भी किया गया है। शेष चार मौजा में माह के अंत तक दर का निर्धारण कर भुगतान कर प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

कुत्तों के बीच पड़ा मिला नवजात का शव

वैशाली, एजेंसी। वैशाली जिले के हाजीपुर में एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। सदर अस्पताल गेट के पास कचरे के ढेर में नवजात शिशु का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। हैरानी की बात यह रही कि कुत्ते कचरे से शव को निकालकर सड़क पर ले आए और उसे नोचने लगे, तब जाकर लोगों की नजर इस हृदयविदारक घटना पर पड़ी।

दृश्य देखकर आसपास मौजूद लोग सन्न रह गए

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रोज की तरह सुबह लोग अस्पताल गेट के पास चाय पी रहे थे। तभी एक महिला वहां पहुंची और कचरे के ढेर में कुछ फेंककर चली गई। कुछ ही देर बाद कुत्ते वहां पहुंचे और कचरे को उलट-पुलट करने लगे। इसी दौरान एक कुत्ता नवजात शिशु का शव लेकर सड़क पर बैठ गया और उसे खाने लगा। यह दृश्य देखकर आसपास मौजूद लोग सन्न रह गए। लोगों ने किसी तरह कुत्तों को भगाया, तब जाकर यह स्पष्ट हुआ कि वह एक नवजात का शव है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाया और तत्काल नगर थाना पुलिस को सूचना दी। हालांकि, लोगों का आरोप है कि अस्पताल से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित नगर थाने की पुलिस करीब दो घंटे बाद मौके पर पहुंची, जिससे लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

टीम की मदद से शव को हटाया गया : स्थानीय

दुकानदार राजा ने बताया कि एक महिला बोरे में कचरा लेकर आई थी और उसे यहां फेंक गई। कुछ देर बाद दो-तीन कुत्ते कचरे को खंगालते हुए नवजात के शव को बाहर ले आए। जब लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने कुत्तों को भगाया और तुरंत पुलिस व अस्पताल प्रशासन को सूचना दी, लेकिन समय पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंततः नगर परिषद की कचरा उठाने वाली टीम की मदद से शव को हटाया गया।

स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी सदर अस्पताल गेट के पास कचरे में नवजात शिशुओं के शव मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि हाजीपुर में भ्रूण हत्या रोकने के दावे सिर्फ कागजों तक सीमित हैं, जबकि निजी नर्सिंग होमों में अवैध रूप से ऐसे कृत्य जारी हैं।

इस घटना ने प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सहरसा में रेलवे ओवरब्रिज का काम तेज, डीएम ने औचक निरीक्षण और अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

सहरसा, एजेंसी। सहरसा। शहर में बन रहे रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण कार्य रॉकेट की रफ्तार से चल रहा है। यह प्रोजेक्ट अपने निर्धारित समय से लगभग एक साल पहले पूरा हो सकता है। यह जानकारी खुद जिलाधिकारी (डीएम) दीपेश कुमार ने दी। डीएम सोमवार रात अचानक दल-बल के साथ निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे।

डीएम दीपेश कुमार ने सोमवार रात पूरब बाजार और बंगाली बाजार स्थित डीबी रोड पर चल रहे आरओबी निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ डीडीसी संजय कुमार निराला, अपर समाहर्ता निशांत, सदर एसडीएम और डीएसपी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने इंजीनियरों और ठेकेदारों को काम की गुणवत्ता को लेकर निर्देश दिए और आवश्यक सुधार के लिए हिदायत दी।डीएम ने बताया कि आरओबी का काम शेड्यूल से काफी आगे चल रहा है। उन्होंने निर्माण की नई समयसीमा साझा की। इसके अनुसार, फाउंडेशन का कार्य 31 मार्च 2026 तक पूरा होगा, जबकि पाया जून 2026 तक तैयार हो जाएगा। ब्रिज की छत की ढलाई दिसंबर 2026 तक पूरी होगी और रिटेनिंग वॉल मार्च 2027 तक बनाने का लक्ष्य रखा गया है। डीएम ने कहा कि 30 महीने का यह प्रोजेक्ट जिस रफ्तार से चल रहा है, उम्मीद है कि इसे एक साल पहले ही जनता के लिए समर्पित कर दिया जाएगा।

नदी में मिला आठ वर्षीय किशोर का शव, गांव में पसरा मातम

वैशाली, एजेंसी। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पानापुर सुखानंद गांव से एक दिन पूर्व लापता किशोर का शव सोमवार सुबह घर से कुछ दूरी पर स्थित एक नदी से बरामद किया गया। नदी में किशोर का शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना बिदुपुर थाना पुलिस को दी।

मृतक की पहचान पानापुर सुखानंद गांव निवासी चंद्रशेखर पासवान के आठ वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया और परिजन बदहवास हो गए। मृतक के मामा अमीर पासवान ने बताया कि आर्यन रविवार शाम घर से बथान जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की और आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। रात अधिक हो जाने के कारण परिजन सोमवार सुबह दोबारा तलाश में निकले।

इसी दौरान कुछ ग्रामीणों की नजर घर से कुछ दूरी पर स्थित नदी किनारे पानी में तैरते आर्यन के शव पर पड़ी। इसकी सूचना तुरंत मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में नदी किनारे पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। शव बाहर आते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।परिजनों ने बताया कि आर्यन दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

परबत्ता के लगार दियारा में अवैध खनन जारी, पर्यावरण और सरकारी राजस्व को नुकसान

खगड़िया, एजेंसी। खगड़िया के परबत्ता प्रखंड स्थित लगार और राका गांव से सटे दियारा क्षेत्र में अवैध खनन का मामला सामने आया है। भू-माफिया उपजाऊ खेतों से जबरन मिट्टी की कटाई कर रहे हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। विरोध करने पर किसानों को धमकाया जा रहा है। स्थानीय किसानों का आरोप है कि इस संबंध में परबत्ता थाना पुलिस से शिकायत की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हो गए हैं।

अगुवानी पंचायत के राका निवासी पंकज पाठक ने परबत्ता थाने में एक आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि जब वे अपने खेत का निरीक्षण करने गए, तो बड़ी लगार निवासी बाबू साहब और सिंटू यादव ट्रैक्टर से जबरन मिट्टी काटकर दूसरे ट्रेलर पर लोड कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपितों ने अपने साथी ज्योतिष झा और अमन को बुला लिया। पंकज पाठक का आरोप है कि उनसे एक लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई। इनकार करने पर उनके साथ गाली-गलौज, हाथापाई की गई और हथियार दिखाकर खेत से भगा दिया गया। यह शिकायत बीते शनिवार को पुलिस में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त होने की पुष्टि की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस कारण किसानों में दहशत का

माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगार और राका गांव के पूर्वी छोर पर स्थित दियारा क्षेत्र में भू-माफिया और खनन माफिया का आतंक चरम पर है। आरोप है कि पुलिस और प्रशासन की नाक के नीचे से रोजाना सैकड़ों ट्रेलर मिट्टी और सफेद बालू जीएन बांध के रास्ते प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में भेजे जा रहे हैं। खनन विभाग द्वारा कभी-कभार छापेमारी की जाती है, लेकिन माफिया कथित तौर पर अपनी पहुंच और पैसों के दम पर कार्रवाई से बच निकलते हैं।

भू-माफिया और खनन माफिया का गठजोड़

ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र की अधिकांश जमीन टोपोलैंड किस्म की है। कुछ भू-माफिया फर्जी कागजात के सहारे वर्षों से जमीन पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। भोले-भाले किसानों को डराकर उनकी जमीन से बेदखल किया जाता है और फिर खनन माफियाओं से गठजोड़ कर लाखों रुपए की अवैध कमाई की जाती है। दबंगों की पकड़ और प्रशासनिक पहुंच के चलते शिकायतें फाइलों में ही दबकर रह जाती हैं। भय के कारण कई किसान शिकायत तक दर्ज कराने से कतराते हैं।

पर्यावरण और सरकारी राजस्व को भारी नुकसान

अवैध खनन से न केवल किसानों की उपजाऊ जमीन नष्ट हो रही है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंच रही है। लगातार मिट्टी और बालू की कटाई से नदी की धारा प्रभावित होने लगी है, जिससे भविष्य में बाढ़ और कटाव का खतरा कई गुना बढ़ गया है। इसके साथ ही सरकार को भी बड़े पैमाने पर राजस्व का नुकसान हो रहा है, जबकि अवैध कमाई माफियाओं की जेब में जा रही है।

स्थानीय लोगों और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि दियारा क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की जाए, भू-माफियाओं और खनन माफियाओं को चिन्हित कर सख्त कदम उठाए जाएं। यदि समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में इस क्षेत्र के भौगोलिक हालात भयावह हो सकते हैं, जिसका खामियाजा पूरे इलाके को भुगतना पड़ेगा। वहीं इस मामले को लेकर परबत्ता थाना के प्रभारी थाना अध्यक्ष सुमंत कुमार चौधरी ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुई है और जांच की जा रही जांचोपरांत कार्यवाही की जाएगी

संक्षिप्त समाचार

मानकनगर स्टेशन पर रुकेगी इंटरसिटी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर रेलवे प्रशासन ने मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-कानपुर सेंट्रल इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव मानकनगर स्टेशन पर दे दिया है। ट्रेनों का ठहराव दो अप्रैल तक दिया गया है। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि ट्रेन 14123 मानकनगर स्टेशन पर सुबह 8:01 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 14124 इस स्टेशन पर शाम 06:34 बजे पहुंचेगी। दोनों ओर से ट्रेन का ठहराव एक मिनट का रहेगा।

भाकियू लोकशक्ति का डीएम दफ्तर पर प्रदर्शन

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के पदाधिकारियों ने मांगों को लेकर डीएम दफ्तर पर प्रदर्शन किया। 10 सूत्री ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग की गई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अनुराग गुप्ता व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा की अगुवाई में कार्यकर्ता दोपहर को डीएम दफ्तर पहुंचे। क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर नारेजबाजी की और फिर डीएम की गैर मौजूदगी में उनके कार्यालय में ज्ञापन दिया। मोहनलालगंज में सही तरीके से विकास, गोसाईंगंज में बृजमोहन सिंह की वृद्धावस्था पेंशन रोकने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्रवाई, अर्जन की जाने वाली जमीन का बाजार दर से मुआवजा, पराग डेयरी पर दूध देने वाले किसानों की बकाया रकम के भुगतान की मांग की। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अनुराग गुप्ता व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र वर्मा, हरिश्चंद्र वर्मा, रज्जालाल वर्मा, रमाशंकर आदि मौजूद रहे।

दो पीसीएस अफसरों के खिलाफ जांच शुरू

लखनऊ , एजेंसी। महापौर सुषमा खर्कवाल की शिकायत पर शासन ने नगर निगम के दो पीसीएस अफसरों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। शासन ने नगर आयुक्त गौरव कुमार से रिपोर्ट मांगी है। जिन दो अफसरों का मामला है, उनमें से नम्रता सिंह को दो सप्ताह पहले शासन ने नगर निगम से हटाकर जिला प्रशासन में तैनात किया है। मंगलवार को वह नगर निगम से भी कार्यमुक्त हो गईं। तीन महीने पहले महापौर ने मार्ग प्रकाश विभाग में स्ट्रीट लाइटों के टेंडर की नियम-शर्तों को लेकर सवाल खड़े किए थे। उनका कहना था कि कुछ फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए इसमें बदलाव किया गया। उन्होंने अपर नगर आयुक्त ललित कुमार से जवाब तलब किया था। अपर नगर आयुक्त ने अपना पक्ष रखते हुए दोबारा टेंडर जारी किए थे। अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह पर आरोप था कि उन्होंने झूलेलाल घाट के आवंटन में देरी की, जिससे नगर निगम को तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ। इसे लेकर भी अपर नगर आयुक्त की ओर से तथ्यों के साथ जवाब दिया गया था।

500 करोड़ से मेट्रो के काम को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में मेट्रो के दूसरे चरण के काम के लिए सरकार की ओर से 500 करोड़ रुपये दे दिए गए हैं। बसंतकुंज के बीच मेट्रो के काम के लिए टेंडर हो चुके हैं। उम्मीद है कि दो महीने में निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। चारबाग से बसंतकुंज के बीच 5801 करोड़ रुपये से काम होगा। आधी रकम केंद्र व राज्य सरकारों से मिलेगी। बाकी ऋण लिया जाएगा। करीब 11.16 किमी रूट पर 12 स्टेशन होंगे। निर्माण कार्य पांच वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार ग्राउंड, जियोटेक सर्वे कराए जा चुके हैं। विदेशी निवेश के लिए प्रयास हैं। चारबाग, मेडिकल कॉलेज व चौक चौराहे पर बनने वाले स्टेशनों की लोकेशन 500 मीटर तक आगे या पीछे हो सकते हैं। दूसरे चरण का काम तीन चरणों में होगा। सूत्र बताते हैं कि पहले चरण में 40 एकड़ में बसंतकुंज में डिपो बनाया जाएगा।

औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी के लिए सीएनडीएस बनाएगा प्रोजेक्ट

लखनऊ , एजेंसी। अमौसी और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी के मुद्दे पर सोमवार को फिर बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि शहरभर के लिए जल निकासी के लिए जिम्मेदार सीएनडीएस इन औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी व्यवस्था बनाएगा। जल्द से जल्द डीपीआर और प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर शासन को सौंपी जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निगम, एडीएम पूर्वी, सिंचाई व जल निगम के अधिशासी अभियंता, यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक और एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर संग हुई इस बैठक में डीएम ने सख्ती दिखाई। एनएचएआई की ओर से बताया गया कि सरोजनीनगर में लखनऊ कानपुर रोड पर जो नाले बनाए गए हैं। वह कई जगह पर दो-दो मीटर की दूरी पर छूटे हुए हैं। जैसे सैनिक स्कूल के सामने दो मीटर की दूरी छूटी हुई है। स्टॉर्म वाटर के लिए ड्रेन बना हुआ है। एनएचएआई का कहना है कि अब अगर इसके समानांतर ड्रेन बना लिया जाए तो उससे पानी ले जाना आसान हो जाएगा। इस पर जल निगम और सीएनडीएस ने एक मत होते हुए कहा कि अलग अलग जगहों पर अंडरग्राउंड तार आदि भी पड़े हैं। समानांतर ड्रेन बनाने पर तीन गुना लागत आएगी। इस पर सीएनडीएस ने कहा कि वह विभिन्न एजेंसी तय कर सबसे पहले इसी एरिया का हल निकालेगा। जल्द से जल्द विस्तृत डीपीआर और प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर शासन को भेजा जाएगा।

180 किमी की रफ्तार से दौड़ेगी स्लीपर वंदे भारत

घंटों का सफर मिनटों में कराएगी

लखनऊ , एजेंसी। हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें जल्द ही लखनऊ के रास्ते पांच रूट पर चलाई जाएंगी। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पटना, जयपुर, मुंबई, जम्मू व दिल्ली रूट पर वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को दौड़ाने की योजना है। पहले चरण में मुंबई व पटना रूट पर इन्हें उतारा जाएगा। यह संचालन तीन महीने के अंदर शुरू हो जाएगा।

ट्रेनों के संचालन के लिए उत्तर, पूर्वोत्तर व उत्तर मध्य रेलवे के अफसर प्रस्ताव बना रहे हैं, जो जल्द ही रेलवे बोर्ड व जोनल मुख्यालयों को भेजा जाएगा। हाल ही में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की बात कही। यह ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेंगी, जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसी क्रम में लखनऊ के रास्ते चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का खाका भी तैयार किया जा रहा है।

पहले चरण में दो वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें चलेंगी : सूत्र बताते हैं कि दिल्ली से वाराणसी वाया लखनऊ वंदे भारत स्लीपर चलाई जाएगी। ऐसे ही लखनऊ से पटना, मुंबई, जयपुर व अयोध्या से जम्मू वाया लखनऊ भी वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे यात्रियों को खासी राहत हो जाएगी। रेलवे अधिकारी बताते हैं कि पहले चरण में दो वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें पटरी पर उतरेंगी। इसमें मुंबई व पटना रूट शामिल होंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि तीन महीने के अंदर यह ट्रेनें पटरी पर आ जाएंगी। शेष ट्रेनें छह से आठ महीने में शुरू होंगी।

...इसलिए खास है वंदे भारत स्लीपर : ट्रेन 180 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। इससे समय की बचत होगी। ट्रेन में स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच, फायर सेफ्टी सिस्टम और एआई आधारित कैमरे होंगे। सेंसरयुक्त दरवाजों के साथ आरामदायक सीटें व उच्च स्वच्छता मानक बनाए रखने के लिए कीटाणुनाशक तकनीक शामिल हैं, जिससे 99.9 प्रतिशत कीटाणु नष्ट होंगे। इमरजेंसी टॉक-बैक सिस्टम, लोको पायलट के लिए आधुनिक कंट्रोल और सेफ्टी सिस्टम वाला एडवांस ड्राइवर केबिन होगा।

इतनी होंगी सीटें : वंदे भारत ट्रेन में 16 कोच होंगे जिसमें कुल 823 यात्री सफर सकेंगे। ट्रेन में 11 कोच थर्ड एसी के, चार सेकंड एसी और एक फर्स्ट एसी का रहेगा। थर्ड एसी की बोगियों में 611, सेकंड एसी में 188 और फर्स्ट एसी में 24 यात्री सफर कर सकेंगे।

दुग्गौर में गोमती पर बनेगा पुल, शासन ने दी मंजूरी

लखनऊ। बीकेटी विधान सभा के चिनहट क्षेत्र के दुग्गौर में गोमती नदी पर दो लेन का एक और पुल बनेगा। इस पुल के निर्माण के लिए शासन ने मंजूरी देते हुए 45.68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। सेतु निगम दो माह के भीतर पुल का निर्माण शुरू करने की तैयारी में है। नए पुल के बनने से चिनहट क्षेत्र के लोगों का आवागमन सुगम होगा।

सेतु निगम के अफसरों ने बताया कि विधायक योगेश शुक्ला की पैरवी पर इस पुल के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। शासन ने इसकी मंजूरी देते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना में शामिल किया है। सेतु निगम ने इस सिलसिले में एक टीम का गठन किया है। यह टीम निर्माण स्थल का मौका मुआयना करने के बाद एस्टीमेट बनाकर लोक निर्माण विभाग के पास मंजूरी के भेजा जाएगा। शासन ने पुल के लिए 45.68 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस धनराशि से पुल के साथ में सुरक्षा की दृष्टि से सड़क भी बनेगी।

दो आरओबी निर्माण के लिए भी मंजूरी

शासन ने दो रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण को भी मंजूरी देते हुए उन्हें भी चालू वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना में शामिल किया है। ये आरओबी मलिहाबाद के दिलावरनगर व मल्हौर के खरगापुर में प्रस्तावित हैं। शासन ने दोनों आरओबी के एस्टीमेट मांगे हैं। सेतु निगम अफसरों का कहना कि दो माह के भीतर इन आरओबी का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। उधर, रेलवे अफसरों ने बताया कि राजधानी में ट्रांसपोर्टनगर, आलमनगर, दिलकुशा, मानकनगर, अमौसी, लखनऊ-मल्हौर, छठा मिल रेलवे ट्रैक पर आरओबी बनाने का प्रस्ताव सेतु निगम को भेजा था।

एडेड जूनियर हाईस्कूल में भर्ती का काउंसिलिंग कार्यक्रम जारी, 12 जनवरी से अभिलेख परीक्षण

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) जूनियर हाईस्कूल में लगभग 1700 शिक्षकों व प्रधानाचार्य के पदों पर चल रही भर्ती का विस्तृत काउंसिलिंग कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। काउंसिलिंग व अभिलेख परीक्षण 12 जनवरी से 12 फरवरी के बीच लखनऊ स्थित शिक्षा निदेशालय में होगा।

विभाग की ओर से 2021 से चल रही भर्ती का संशोधित परीक्षाफल छह सितंबर 2022 को जारी किया गया। वहीं अभ्यर्थियों से 24 नवंबर से 14 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन लेकर 24 दिसंबर को अंतिम सूची जारी की गई थी। इसी क्रम में बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने सोमवार को इसका विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया है।

12 व 13 जनवरी को संस्कृत विषय के शिक्षक व 15 से 19 जनवरी तक प्रधानाध्यापक, 20 से 22 जनवरी तक अंग्रेजी विषय के शिक्षक, 24 से 29 जनवरी तक हिंदी, 30 जनवरी से चार फरवरी तक सामाजिक विषय, पांच से 12 फरवरी तक विज्ञान व गणित विषय के अभ्यर्थियों का अभिलेख परीक्षण होगा।

बेसिक शिक्षा निदेशक ने बताया कि अभिलेख परीक्षण के बाद रिक्तियों के सापेक्ष अभ्यर्थियों की सूची जारी कर उनसे विद्यालय का विकल्प लिया जाएगा। इसके बाद उनकी तैनाती की जाएगी।

आधार बना जरिया, अपनों से मिले...

अरसे से बिछड़े लोग, बच्चों और बुजुर्गों के लिए बेहद कारगर साबित हुआ

लखनऊ , एजेंसी। आधार कार्ड अपनों से बिछड़े लोगों को मिलाने का भी जरिया बन गया है। ऐसे लोग जो मानसिक रूप से कमजोर थे या वे बच्चे जिनकी उम्र कम थी और घर से दूर हो गए थे। वह न तो परिवारीजनों के बारे में कुछ जानकारी दे पा रहे थे और न ही अपना पता बता पा रहे थे। ऐसे लोगों के लिए आधार कार्ड बेहद कारगर साबित हो रहा है। उत्तर प्रदेश में पिछले पांच वर्षों में 466 खोए हुए लोगों को आधार की मदद से उनके परिवारों से मिलाया गया।

यूआईडीएआई के उपमहानिदेशक प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि शेल्टर होम, बालगृहों व अन्य आश्रय केंद्रों पर आधार कैंप लगाए जाते हैं। इसमें पांच साल से ऊपर वालों का आधार बनाने की प्रक्रिया की जाती है। इसमें जिनका आधार पहले से बना होता है, उनका आवेदन निरस्त हो जाता है। तब उसके आधार की डिटेल निकाली जाती है। इससे उसका नाम, पता व मोबाइल नंबर मिल जाता है। तब आसानी से उन्हें उनके परिवार तक पहुंचाया जाता है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 में दो, वर्ष 2020-21 में 95, वर्ष 2022 में 48, वर्ष 2023 में 46, वर्ष 2024 में 152 और 2025 में 123 बिछड़े लोगों को आधार के जरिये उनके अपनों से मिलाया गया। इसमें सबसे अधिक 125 लोग वाराणसी के शेल्टर होम के थे। इनमें लखनऊ के 56 लोग शामिल हैं, जिनके परिजनों की तलाश की गई।

उपमहानिदेशक ने कहा कि पांच साल से पहले जिन बच्चों का आधार कार्ड बनता है, उसमें सिर्फ उसकी फोटो खींची जाती है। पांच साल पूरा होने के बाद उनका बायोमीट्रिक लिया जाता है। अपडेट होने से पूरा विवरण आसानी से मिल जाता है। जिन बच्चों की उम्र पांच साल पूरी हो चुकी है उनका आधार जरूर अपडेट कराएं। इसमें लापरवाही न बरतें।

सिंधी भाषा में ही बात करने का लिया संकल्प

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में सिंधी समाज के लोग अब अपने घरों, प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक समारोहों और फोन पर आपस में सिंधी भाषा में ही बात करेंगे। सोमवार को हजरतगंज स्थित मोती महल लॉन में आयोजित हरिओम मंदिर और चेट्टी चंद मेला कमेटी के पदाधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान यह भी संकल्प लिया गया कि सिंधी समाज के लोग अपने प्रतिष्ठान, ऑफिस और निजी वाहनों में भगवान झूलेलाल की तस्वीर लगाएंगे।

सिंधु सभा के अध्यक्ष और चेट्टी चंद मेला कमेटी के प्रवक्ता अशोक मोतियानी ने बताया कि 26 जनवरी को होने वाले सिंधी भाषा व संस्कृति उत्सव में समाज के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। राजस्थान के अलवर की शहनाई संग इस बार मोती महल वाटिका में समारोह की शुरुआत होगी। इस दौरान सिंधी वेशभूषा में सबसे अच्छे पारंपरिक पहनावे को पुरस्कृत किया जाएगा। अच्छे कार्य करने वाले समाज के कुछ चुनिंदा लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। सांस्कृतिक आयोजन होंगे और सिंधी व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर आक्रोश व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग भी की गई। इस दौरान अध्यक्ष रतन मेघानी, संरक्षक अशोक चांदवानी, महामंत्री संजय जसवानी, राम बालानी, कृष्णचंद बमबानी, जेपी नागपाल, नानक चंद लखमानी, अशोक मोतियानी, मुरलीधर आहूजा, मोहनदास लदानी, इंदर कालाणी, मदन कुकरेजा, प्रहलाद गुरनानी, प्रकाश गोदवानी, राजू जसवानी, सतीश लखमानी, हंसराज राजपाल और वीरेंद्र खत्री आदि मौजूद रहे।

धर्मांतरण के प्रयास के मामले में इसी सप्ताह दाखिल होगी रिपोर्ट

लखनऊ , एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में धर्मांतरण के प्रयास के मामले की जांच लगभग पूरी हो चुकी है। सात सदस्यीय जांच समिति इसी सप्ताह रिपोर्ट दाखिल कर देगी। इसे मुख्य रूप से शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव डालने के मामले की जांच करनी है।

समिति ने पीड़िता के साथ संबंधित विभाग के डॉक्टरों के भी बयान लिए हैं। विभाग के कुछ डॉक्टरों पर पीड़िता पर दबाव डालने के आरोप विभिन्न संगठनों ने लगाए थे। मामले में एफआईआर भी हुई है और पुलिस आरोपी को खोज रही है। यौन उत्पीड़न संबंधी मामले की जांच केजीएमयू की विशाखा समिति भी कर रही है। समिति ने प्रारंभिक रिपोर्ट राज्य महिला आयोग के पास भेज दी है। इसमें आरोप को सही बताया गया था। इसी रिपोर्ट के आधार पर आरोपी डॉक्टर को निलंबित करके उसके परिसर में आने पर पाबंदी लगाई गई। समिति में डीन पैरामेडिकल डॉ. केके सिंह, पूर्व पुलिस महानिदेशक भावेश कुमार सिंह, क्रीनमेरी की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल, चीफ प्रॉक्टर डॉ. आरएएस कुशवाहा, पैथोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुरेश बाबू आदि हैं। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो केके सिंह का कहना है कि समिति ने पैथोलॉजी विभाग के संकाय सदस्य, रेजिडेंट और कर्मचारियों के बयान लिए हैं।

कनाडा के साथ करेंगे संयुक्त शोध, छात्र व फैकेल्टी एक्सचेंज भी

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के तीन राज्य विश्वविद्यालयों में कनाडा के साथ मिलकर संयुक्त शोध, छात्र व फैकेल्टी एक्सचेंज, कोर्स में बदलाव आदि विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे। इसके लिए सोमवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स तथा तीन राज्य विश्वविद्यालयों लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) व ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के साथ एमओयू हुआ।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। अब इन्हें उच्चतम स्तर तक पहुंचाया जा रहा है। नए-नए पाठ्यक्रमों तथा नैक और एनआईआरएफ की उत्कृष्ट रैंकिंग मानकों के अनुरूप किए जा रहे कार्यों से गुणवत्तापूर्ण बदलाव हो रहा है। अभी और प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

कैनेडियन हिंदू चैंबर ऑफ कॉमर्स के ट्रस्टी नरेश कुमार चावड़ा ने कहा कि भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ी है और भारतीय भाषाओं के अध्ययन के लिए कनाडा से छात्र भारत आएंगे। इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी, विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल अशोक देसाई, एकेटीयू के कुलपति जेपी पांडेय, लविवि की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा आदि उपस्थित थे।

यूपी में 12.55 करोड़ मतदाताओं की रफ सूची आज होगी जारी, प्रक्रिया में लिस्ट से हटाए गए हैं 2.89 करोड़ नाम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग मंगलवार को कच्ची मतदाता सूची जारी करेगा। इसमें 12.55 करोड़ मतदाता होंगे। मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। यह स्थानांतरित, अनुपस्थित व मृत आदि श्रेणी में हैं। सभी जिलों में ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सोमवार को बैठक कर तैयारियों को जायजा लिया। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा गया है कि वे शुद्ध मतदाता सूची जारी करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। मंगलवार से छह फरवरी तक मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। वहीं 27 फरवरी तक इन दावों और आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन छह मार्च को किया जाएगा।

जिन 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे, उनमें 1.26 करोड़ स्थायी रूप से स्थानांतरित, 46 लाख मृत, 23.70 लाख डुप्लीकेट, 83.73 लाख अनुपस्थित व 9.57 लाख अन्य श्रेणी के मतदाता हैं। प्रदेश में 91 प्रतिशत मतदाताओं का 2003 की मतदाता सूची से मिलान हो गया है। यानी, उनका नाम पक्की मतदाता सूची में शामिल करने के लिए कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा।

यहां बता दें कि आयोग ने 27 अक्तूबर को एसआईआर कराने की घोषणा की थी। उसके बाद 30 नवंबर और 11 दिसंबर को संशोधित कार्यक्रम जारी किए गए। आयोग ने मंगलवार को तीसरी बार एसआईआर का समय बढ़ाया। चुनाव आयोग अर्हता तिथि 1 जनवरी, 2026 के आधार पर एसआईआर करवा रहा है।

सीमैप ने विकसित किए 14 स्वदेशी निर्देशक द्रव्य

लखनऊ , एजेंसी। आयुष औषधियों की गुणवत्ता, शुद्धता और विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में राजधानी स्थित केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीमैप) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान ने 14 भारतीय निर्देशक द्रव्य विकसित किए हैं, जो भारत के स्वदेशी प्रमाणित संदर्भ पदार्थ (रिफरेंस मटीरियल) हैं। इससे आयुष, हर्बल और न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों की जांच और गुणवत्ता नियंत्रण को नई मजबूती मिलेगी।

सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी और मुख्य वैज्ञानिक डॉ. करुणा शंकर ने बताया कि इससे भारतीय आयुष उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में और अधिक भरोसेमंद बनेंगे। साथ ही आयुष उद्योग में मानकीकरण, गुणवत्ता आश्वासन और वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ेगी।

सीमैप और सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल) के संयुक्त प्रयास से विकसित इन फाइटोकेमिकल भारतीय निर्देशक द्रव्यों का विमोचन एनपीएल के 80वें स्थापना दिवस के मौके पर दिल्ली में किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सीएसआईआर की महानिदेशक एवं डीएसआईआर की सचिव डॉ. एन. कलैसेल्वी तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी मौजूद रहे।

ये भारतीय निर्देशक द्रव्य आयुष औषधियों में उपयोग होने वाले कच्चे माल और उत्पादों की सटीक जांच, विधि सत्यापन और उपकरणों के कैलिब्रेशन में मदद करेंगे। अब तक इस तरह के मानकों के लिए उद्योग को विदेशी संदर्भ पदार्थों पर निर्भर रहना पड़ता था। इस पहल से आयात पर निर्भरता कम होगी और स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा मिलेगा।

जानिए क्या है भारतीय निर्देशक द्रव्य : भारतीय निर्देशक द्रव्य भारतीय प्रमाणित संदर्भ सामग्री (सीआरएम) है जो माप की सटीकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशालाओं और उद्योगों में एक बेंचमार्क के रूप में उपयोग होता है, जैसे सोने की शुद्धता जांचने (बीएनडी-4201) या वायु गुणवत्ता मानकों को मापने में, जिससे भारतीय उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता बढ़ती है और माप अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होते हैं।

दिल्ली सरकार पर भड़क उठीं आतिशी

ये नाटक क्यों हो रहा है

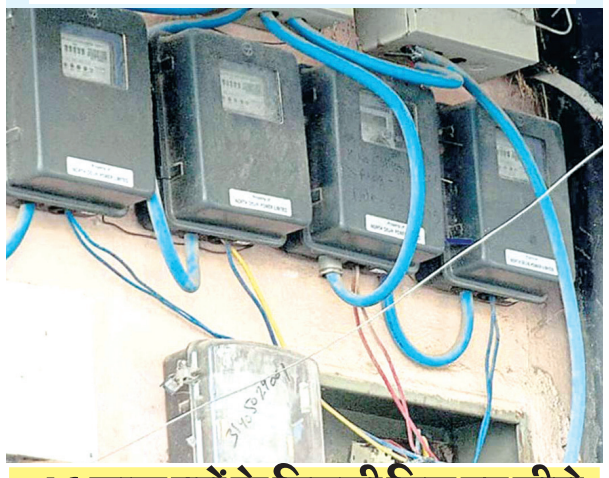

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन आज यानी मंगलवार को भी जारी रहा। इस दौरान दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने बीजेपी सरकार पर प्रदूषण के मुद्दे से भागने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार प्रदूषण के मुद्दे से भाग रही है। प्रदूषण आज दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या है। जब आम आदमी पार्टी प्रदूषण के मुद्दे पर चर्चा की मांग करती है, तो भाजपा चर्चा से बचने के लिए

बहाने बनाती है। यह नाटक क्यों हो रहा है? भाजपा प्रदूषण पर चर्चा से बचना चाहती है क्योंकि उनके पास कोई जवाब नहीं है। हम मांग करते हैं कि यह नाटक बंद हो और प्रदूषण के मुद्दे पर तुरंत चर्चा शुरू की जाए। आतिशी ने प्रदूषण के स्रोतों पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार पंजाब में पराली जलाना बंद हो गया है। उन्होंने पूछा कि यह प्रदूषण कहां से आ रहा है? उन्होंने बल देकर कहा कि दिल्ली में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ा है। विधानसभा में माहौल उस समय गरमा गया जब आम आदमी पार्टी के मुख्य सचेतक संजीव झा ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से प्रदूषण को 80 प्रतिशत तक कम करने के उनके पूर्व दावे के बारे में सवाल करने की कोशिश की। अध्यक्ष ने झा को बाहर जाने का आदेश दिया। झा ने बाद में पूछा कि क्या भाजपा सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है या वह दावा झूठा था?

मास्क पहनकर प्रदर्शन

इससे पहले सोमवार को विपक्ष की नेता आतिशी के नेतृत्व में आप के विधायकों ने मास्क पहनकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया था। कार्यवाही के दौरान मास्क हटाने से इनकार करने पर उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया गया। विरोध प्रदर्शन में विपक्षी दल द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार की उस विफलता को उजागर किया गया जिसके कारण दिल्ली पिछले चार महीनों से गंभीर प्रदूषण से जूझ रही है। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने प्रशासन पर वायु गुणवत्ता आंकड़ों में हेरफेर करने और प्रदूषण से निपटने के लिए बनाए गए आपातकालीन उपायों के समूह, ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) को ठीक से लागू नहीं करने का आरोप लगाया। आतिशी ने कहा, दिल्ली में लोग अस्पतालों में भर्ती हो रहे हैं, बच्चे सांस लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और बुजुर्ग अपनी जान गंवा रहे हैं। हमें विधानसभा से सिर्फ इसलिए बाहर निकाल दिया गया क्योंकि हम इस पीड़ा को दर्शाने के लिए मास्क पहनकर अंदर गए थे।

दिल्ली में बना नया रिकॉर्ड, 93 प्रतिशत परिवारों को फायदा

46 लाख घरों के बिजली बिल हुए जीरो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बिजली सब्सिडी योजना ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। दिसंबर 2025 में 93 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं ने सब्सिडी का लाभ उठाया। इनमें से 73 प्रतिशत परिवारों का बिजली बिल पूरी तरह जीरो रहा। सर्दियों में बिजली खपत कम होने की वजह से योजना की पहुंच सबसे ज्यादा रही। 2019 में शुरू हुई इस योजना में 200 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वाले घरों को पूरी तरह मुफ्त बिजली मिलती है। 201 से 400 यूनिट तक खपत करने वालों को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है। इससे ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ता पूरा टैरिफ चुकाते हैं। टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में घरेलू बिजली कनेक्शन बढ़कर 63 लाख हो गए हैं। सब्सिडी लेने वालों की संख्या भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची है। 2023 में औसतन 75-76 प्रतिशत उपभोक्ताओं को लाभ मिला। 2024 में यह आंकड़ा 78-79 प्रतिशत रहा। वहीं 2025 में 79-80 प्रतिशत घरों को कभी न कभी सब्सिडी मिली। 200 यूनिट तक खपत करने वाले परिवारों की औसत संख्या 2025 में 31-32 लाख रही, जो पिछले सालों से ज्यादा है। ये उपभोक्ता योजना का मुख्य आधार बने हुए हैं। सब्सिडी की पहुंच मौसम पर काफी निर्भर करती है। दिसंबर जैसे ठंडे महीनों में लाभार्थी 58 लाख के पार पहुंच गए और कवरेज 93 प्रतिशत रहा। गर्मियों में एसी के इस्तेमाल से खपत बढ़ने पर लाभार्थी कम हो जाते हैं। फिर भी 2025 की गर्मियों में पिछले दो सालों की तुलना में ज्यादा परिवारों (लगभग 42.5 लाख) को सब्सिडी मिली। यह बचत के प्रति जागरूकता या स्मार्ट इस्तेमाल का संकेत है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 200 यूनिट तक खपत करने वाले परिवार योजना की रीढ़ हैं। इससे बेसिक खपत स्थिर रहने का पता चलता है। अधिकारी ने कहा कि 2025 में लाभार्थियों की संख्या में स्थिरता सबसे बड़ी खासियत रही। सब्सिडी पर बढ़ता खर्च योजना की बढ़ती लोकप्रियता की वजह से खर्च भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है।

दिल्ली के 15 से अधिक इलाकों में 2 दिन नहीं आएगा पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के दो विधानसभा क्षेत्रों के

करीब डेढ़ दर्जन इलाकों में दो दिन तक पानी का संकट और गहरा सकता है। दिल्ली जल बोर्ड (द्वारा लोगों को बताया गया है कि 6 और 7 जनवरी को इन कई इलाकों में पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। डीजेबी की ओर से एक अलर्ट जारी कर बताया गया है कि हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाली पानी की एक लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इसकी मरम्मत का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसके चलते इसके चलते रिठाला और रोहिणी विधानसभा क्षेत्रों के कई इलाकों में पानी आपूर्ति प्रभावित रह सकती है। प्रभावित क्षेत्रों में पानी की सप्लाई 08.01.2026 की सुबह तक फिर से शुरू होने की उम्मीद है। दिल्ली जल बोर्ड ने कहा है कि इन इलाकों में रहने वाले लोग जल बोर्ड के कंट्रोल रूम नंबरों 8770530657, 9289138498, 9899902478, 9650755709, 8178020816, 9650094327, 9643575478 और हेल्पलाइन नंबर 1916 पर कॉल कर पानी के टैंकर मंगवाने के लिए संपर्क कर सकते हैं। जल बोर्ड बोर्ड के मुताबिक प्रभावित इलाकों में गुरुवार सुबह तक पानी की सप्लाई सुचारू होने की उम्मीद है।

नगर में गोलीबारी करने वाले दो बदमाश धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने द्वारका में मुठभेड़ के बाद आया नगर हत्याकांड के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों बदमाश उस वारदात में शामिल थे जिसमें एक कारोबारी पर 69 गोलियां चलाई गई थीं। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने द्वारका इलाके में हुई एक मुठभेड़ में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये दोनों साउथ दिल्ली के आया नगर में हुई उस शूटिंग की वारदात में शामिल थे, जिसमें हमलावरों ने 69 गोलियां चलाई थीं। मंगलवार सुबह क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि आया नगर शूटिंग के आरोपी द्वारका क्षेत्र में छिपे हुए हैं। इलाके में घेराबंदी की। बदमाशों ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की।

उमर खालिद और शरजील इमाम के लिए सुप्रीम कोर्ट पर भड़क उठे प्रशांत भूषण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिलने पर कई लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने भी इस फैसले पर हैरानी जाहिर करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की और इसे अनुचित और अन्याय तक कह डाला। उन्होंने उमर खालिद और शरजील इमाम का बचाव करते हुए कहा कि वे खुद हिंसा करने के आरोपी नहीं हैं। भूषण ने यह भी कहा कि भाषणों में वह हिंसा के खिलाफ बोलते हुए दिखे थे। 5 आरोपियों को 11 शर्तों के आधार पर जमानत दे दी। हालांकि, देश की सबसे बड़ी अदालत ने उमर खालिद और शरजील इमाम को अपराध के अलग पायदान पर बताते हुए राहत देने से इनकार किया। सर्वोच्च अदालत ने उन पर लगे आरोपों को आतंकवाद की श्रेणी में भी माना और ट्रायल में देरी के आधार पर राहत देना उचित नहीं समझा। अदालत के फैसले से जहां आरोपियों को झटका लगा तो उनके लिए बेल की इच्छा रखने वाले लोगों ने भी गहरी निराशा जाहिर की। प्रशांत भूषण ने कहा, उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार करना पूरी तरह से चौंकाने वाला, अनुचित और अन्यायपूर्ण है। वह खुद हिंसा करने के नहीं, बल्कि साजिश के आरोपी हैं। उनके भाषणों के कई वीडियो हैं जिसमें वो हिंसा के खिलाफ बोल रहे हैं। ट्रायल के बिना वे 5 साल जेल में गुजार चुके हैं। फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने गोपनी पहचान वाले संरक्षित गवाहों के पुलिस के बयान के आधार पर बेल देने से इनकार कर दिया। शर्मनाक और जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का मजाक।

दिल्ली में ग्राप नियम तोड़कर 80 वॉशरूम बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ सख्त ग्रैप-3 और ग्रैप-4 नियम लागू होने के बावजूद छतरपुर में एक सरकारी संस्था ने निर्माण कार्य जारी रखा। इस मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सोमवार को कड़ा रुख अपनाया और कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट को तुरंत कार्रवाई करने का आदेश दिया।
छतरपुर निवासी शुभम वर्मा ने 22 नवंबर 2025 को ग्रीन दिल्ली ऐप पर शिकायत दर्ज की। उन्होंने आरोप लगाया कि सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (के ऑफिस परिसर में लगभग 80 वॉशरूम बनाने के लिए तोड़फोड़ और निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है। यह काम ग्रापक्के प्रतिबंधों के बावजूद जारी है।

मेट्रो ने डीएमआरसी स्टाफ क्वार्टर में आग लगने से 3 लोगों की मौत पर जताया दुख

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर स्थित दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के स्टाफ क्वार्टर्स के इमारत के एक फ्लैट में सोमवार देर रात आग लगने से एक दंपती और उनकी 10 वर्षीय बेटी सहित 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अजय कुमार (42), उनकी पत्नी नीलम (38) और बेटी जाह्नवी के रूप में हुई है। डीएमआरसी ने इस घटना पर एक बयान जारी कर इस घटना पर गहरा दुख जताया है। दिल्ली मेट्रो के प्रिंसिपल एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) अनुज दयाल ने बयान जारी कर कहा कि मुकुंदपुर में दिल्ली मेट्रो की रेजिडेंशियल कॉलोनी के एक फ्लैट में आग लगने की घटना में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने आज सुबह अपने एक साथी अजय विमल (45), उनकी पत्नी और उनकी 10 साल की बेटी को खो दिया। अनुज दयाल ने बताया कि यह घटना आज सुबह करीब 2:34 बजे हुई। तुरंत कार्रवाई और कोशिशों के बावजूद, परिवार के सदस्य अपने बेडरूम में मृत पाए गए। पुलिस इस दुखद घटना के कारणों की आगे जांच कर रही है। डीएमआरसी, पुलिस अधिकारियों को सभी जरूरी सहयोग दे रहा है और दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिवार के साथ खड़ा है। डीएमआरसी शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है और मृतक के परिवार के साथ एकजुटता से खड़ा है। यह नुकसान पूरे डीएमआरसी परिवार के लिए दिल तोड़ने वाला पल है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार तड़के आदर्श नगर इलाके में दिल्ली मेट्रो के स्टाफ क्वार्टर में आग लगने से एक ही परिवार के 3 लोगों की जलकर मौत हो गई।

आईआरसीटीसी घोटाले में तेजस्वी की याचिका पर सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के चर्चित आईआरसीटीसी घोटाला केस में लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव की याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। तेजस्वी यादव ने आईआरसीटीसी घोटाले में ट्रायल कोर्ट द्वारा उनपर आरोप तय किए जाने को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सीबीआई को नोटिस जारी किया है। सीबीआई को नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कहा है कि मामले में अब अगली सुनवाई 14 जनवरी को होगी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने तेजस्वी की याचिका और मुकदमे पर रोक के आवेदन पर जवाब दाखिल करने के लिए सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की। इसी दिन उनके पिता लालू प्रसाद यादव की ऐसी ही याचिका पर भी सुनवाई की जाएगी। आपको बता दें कि इससे पहले सोमवार को आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े इसी मामले में तेजस्वी यादव के पिता और पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव को झटका लगा था। दिल्ली हाईकोर्ट में लालू प्रसाद यादव ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। न्यायालय ने फिलहाल सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि जांच एजेंसी को सुने बिना कोई अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती और मामले की अगली सुनवाई 14 जनवरी को तय की गई थी।

लेबनान के कई इलाकों में इस्राइल का ड्रोन हमला

निरस्त्रीकरण बैठक से पहले हिज्बुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई

लेबनान , एजेंसी। इस्राइल की वायुसेना ने मंगलवार लड़के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के कई इलाकों पर हमला किया, जिसमें देश का तीसरा सबसे बड़ा शहर सीदोन भी शामिल है। मंगलवार तड़के करीब एक बजे हुए हमले में दक्षिणी तटीय शहर सीदोन में एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत ध्वस्त हो गई। यह घटना लेबनान के सेना कमांडर की ओर से इस्राइल के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह को निरस्त्र करने के अपने मिशन पर सरकार को जानकारी देने से कुछ दिन पहले हुई। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर ने बताया कि यह इलाका एक व्यावसायिक जिले में था, जिसमें वर्कशॉप और मैकेनिक की दुकानें थीं और इमारत में कोई नहीं रहता था। इस हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया

गया। बचाव दल घटनास्थल पर अन्य लोगों की तलाश कर रहे थे, लेकिन तत्काल किसी की मौत की जानकारी सामने नहीं आई। वहीं, सोमवार को इजरायली सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में कई ठिकानों पर हमला किया। उनका कहना था कि इन ठिकानों पर हिज्बुल्लाह और हमास जैसे आतंकवादी समूहों का बुनियादी ढांचा मौजूद था।

ये हमले इस्राइल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई की ओर से एक्स पर चेतावनी पोस्ट करने के लगभग दो घंटे बाद हुए। इस पोस्ट में उन्होंने कहा था कि सेना पूर्वी बेका घाटी के दो गांवों और दक्षिणी लेबनान के दो अन्य गांवों में हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीनी हमास समूहों के ठिकानों पर हमला करेगी। सीदोन में हुआ बाद का हमला बिना किसी पूर्व सूचना के किया गया था और इस्राइली सेना ने इस पर तुरंत कोई बयान जारी नहीं किया। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि बेका घाटी के मनारा गांव में जिस घर पर हमला हुआ, वह हमास के सैन्य कमांडर शरहाबिल अल-सैयद का था। जो मई 2024 में एक इस्राइली ड्रोन हमले में मारा गया था। इस्राइल की चेतावनी के बाद इलाकों को खाली करा लिया गया था और इन हमलों में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। सोमवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार सुबह दक्षिणी गांव ब्राईकेह में एक कार पर हुए ड्रोन हमले में दो लोग घायल हो गए। इस्राइली सेना ने कहा कि हमले में हिजबुल्लाह के दो सदस्यों को निशाना बनाया गया था। लेबनानी सेना ने पिछले साल फिलिस्तीनी समूहों के निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया शुरू की थी, जबकि सरकार ने कहा कि 2025 के आखिर तक इस्राइल की सीमा से सटे सभी क्षेत्र हिजबुल्लाह की सशस्त्र मौजूदगी से मुक्त हो जाएंगे। लेबनानी सरकार गुरुवार को एक बैठक में हिजबुल्लाह के निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने वाली है।

बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है। शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था। 5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। वे कपलिया बाजार में आइस फैक्ट्री चलाते थे और दैनिक बीडी खबर' अखबार के कार्यकारी संपादक भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

ईरान में और भड़की विरोध प्रदर्शनों की आग, अब तक 35 की मौत, सैंकड़ों हिरासत में

तेहरान, एजेंसी। ईरान में विरोध प्रदर्शनों की आग और उग्र होती जा रही है। देश में खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के विरोध में शुरू हुए प्रदर्शनों के दौरान अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सैंकड़ों लोगों को हिरासत में ले लिया गया है लेकिन इन प्रदर्शनों के थमने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को हस्तक्षेप की चेतावनी दी है और अमेरिका खामेनेई की सत्ता गिराने के लिए मौके की तलाश में है।

अमेरिका की 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि एक सप्ताह से अधिक समय से जारी इन प्रदर्शनों के दौरान 1,200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोगों में 29 प्रदर्शनकारी, चार बच्चे और ईरान के सुरक्षाबलों के दो सदस्य शामिल हैं।

एजेंसी के मुताबिक ईरान के 31 में से 27 प्रांतों के 250 से अधिक जगहों पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने सोमवार देर रात बताया कि प्रदर्शनों के दौरान लगभग 250 पुलिसकर्मी और 'बसीज' बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं।

मृतकों की संख्या बढ़ने के साथ यह आशंका भी जताई जा रही है कि अमेरिका ईरान में जल्द ही हस्तक्षेप कर सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान शांतिपूर्वक विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करता है तो अमेरिका 'उन्हें बचाने के लिए आगे आएगा।'

हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं और अगर करेंगे तो किस तरह करेंगे, लेकिन उनके बयानों को लेकर ईरान की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई है। ईरानी अधिकारियों ने पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाने की धमकी दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के

बीच रूस भागने की योजना तैयार कर ली है। अगर प्रदर्शनों को रोका नहीं जा सका, तो खामेनेई देश छोड़ देंगे। एक खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 86 साल के खामेनेई अपने बेटे और उत्तराधिकारी मुजतबा समेत करीब 20 लोगों के छोटे दल के साथ तेहरान छोड़ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 78 शहरों के 222 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो चुके हैं। इनमें कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से तीन बच्चे हैं। वहीं, 44 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है। खामेनेई कई चैरिटेबल फाउंडेशनों के जरिए अरबों डॉलर की संपत्ति पर नियंत्रण रखते हैं। इनमें 'सेताद' नाम की संस्था प्रमुख है, जिसकी वैल्यू पहले भी कई अरब डॉलर आंकी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शासन से जुड़े कई वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदार पहले से ही अमेरिका, कनाडा और खाड़ी देशों में रह रहे हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, इस योजना के तहत विदेशों में संपत्तियां, प्रॉपर्टी और कैश पहले से सुरक्षित कर लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत देश छोड़ा जा सके। पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की गई तो अमेरिका कड़ी प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हम पूरी तरह तैयार हैं। अगर ईरान ने पहले की तरह लोगों को मारना शुरू किया, तो उसे बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ॥ और ओस्लो स्थित हेंगाव ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा बलों ने आम नागरिकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें बच्चों को भी नहीं बख्शा गया। देशभर में फैले इन प्रदर्शनों की शुरुआत ईरानी मुद्रा के गिरने और महंगाई बढ़ने के बाद हुई। प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं और शासन परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। वहीं, ईरान की सरकारी फर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों में 250 पुलिसकर्मी और बसीज बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं। ईरान के सहयोगी देशों और गुटों की स्थिति कमजोर हुई है। 2023 में शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध के बाद हमास को भारी नुकसान हुआ है।

संपादकीय | मंत्री और सरकार का रवैया अफसोसजनक

इंदौर में पेयजल दूषित होने की वजह से कई लोगों की मौत के बाद राहत के तौर पर सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई, लेकिन सवाल है कि क्या कुछ रस्मी औपचारिकताएं पूरी करना इस समस्या का हल हो सकता है! सबसे जरूरी था कि इस घटना के बाद निचले स्तर के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के समांतर शीर्ष स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाती। मगर ऐसा लगता है कि इसे किसी सामान्य हादसे की शक्ल में देखा जा रहा है। वरना क्या कारण है कि इतने गंभीर मामले के बाद भी सरकार के रवैये में एक अफसोसनाक उदासीनता दिख रही है।

इसकी जिम्मेदारी लेने के बजाय वहां के एक मंत्री सवालों को जिस तरह बेमानी बता रहे थे, उसमें एक विचित्र उपेक्षाभाव था। अव्वल तो पेयजल जैसी सबसे बुनियादी जरूरत के पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर सरकार अपनी ओर से सजग रहती, लेकिन इसके बजाय मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को यह आदेश देना पड़ा है कि प्रभावित इलाके में पीने के पानी के अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएं।

इस घटना से फिर यही जाहिर हुआ है कि महज हादसा या चूक मानी जाने वाली कई घटनाएं अक्सर अधिकारियों की अदूरदर्शिता, लंबे समय से बरती जाने वाली लापरवाही और कई बार जानबूझ कर की गई उपेक्षा का नतीजा होती हैं। इंदौर के जिस इलाके में पेयजल दूषित होने की घटना सामने आई, क्या ऐसा अचानक हो गया होगा? अगर फिलहाल आई खबरों पर ही भरोसा किया जाए कि पानी की आपूर्ति वाले पाइप में गंदे नाले का पानी मिल गया, तो इस पर निगरानी

रखना किसकी जिम्मेदारी है? एक बार पेयजल की पाइप बिछा देने के बाद उसमें पानी आ रहा है या नहीं या फिर वह पीने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, इसकी नियमित जांच करने, गड़बड़ियों की निगरानी करने का दायित्व किस पर है?

अगर संबंधित महकमे में निचले स्तर पर तैनात कर्मचारी लापरवाही बरत रहे थे, तो इसका ध्यान रखना किसका काम था? इस गंभीर घटना के बाद सवाल उठने और कठघरे में खड़ा किए जाने के बाद जहां सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेकर सख्त संदेश देने वाली कार्रवाई करनी चाहिए थी, वहां उसके मंत्री संवेदनहीन, अवांछित और गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी कर रहे थे। अफसोस की बात यह भी है कि इस समूचे मामले में केंद्र सरकार ने एक तरह से विचित्र चुप्पी साधे रखी और उसकी ओर से कुछ नहीं किया गया। जबकि पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के लिए तमगा जीतने वाले इंदौर में दूषित पेयजल से जिस तरह की त्रासद घटना सामने आई, वैसे में पीड़ित परिवारों से लेकर देश भर के आम लोग यह उम्मीद करते हैं कि इसकी गंभीरता के मद्देनजर केंद्र सरकार दखल देगी।

दरअसल, ऐसे नाजुक मौकों पर सबसे ज्यादा जरूरी यह होता है कि सरकार आम लोगों के प्रति संवेदनशील दिखे और इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने देने का भरोसा दे। मगर कम से कम इस मामले में सच यह है कि लोगों का सरकार पर से भरोसा बुरी तरह टूटा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय स्तर पर 'हर घर नल जल' योजना के तहत सभी नागरिकों को पीने का स्वच्छ और शुद्ध पानी मुहैया कराने के दावे किए जाते रहे हैं। मगर पेयजल को लोगों तक पहुंचाने के रास्ते में अगर किसी भी वजह से ऐसी लापरवाही होती है कि उससे लोगों की जान पर खतरा आ जाए, तो ऐसे दावों को किस तरह देखा जाएगा।

अमेरिका के दोहरे मापदंड, वेनेजुएला पर हमले ने खड़े किए गंभीर सवाल

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच पिछले कुछ समय से बने तनाव का नतीजा अब भयावह रूप में सामने आ रहा है। वेनेजुएला की राजधानी काराकस शुक्रवार देर रात अमेरिका के हवाई हमलों से दहल उठी। इस अभियान के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लेकर देश से बाहर भेज दिया गया है। इस हमले की वजह मादक पदार्थों की तस्करी बताई जा रही है। अमेरिका का आरोप है कि वेनेजुएला नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद को सीमा पार बढ़ावा दे रहा है। मगर सवाल है कि क्या कोई शक्तिशाली देश इस तरह की समस्या से निपटने के लिए किसी छोटे और कमजोर राष्ट्र पर हमला कर सकता है? वह भी अमेरिका जैसा देश, जहां के राष्ट्रपति दुनिया के विभिन्न देशों के बीच युद्ध रुकवाने का दावा करते नहीं थकते हैं और खुद को शांति के नोबेल पुरस्कार का दावेदार घोषित कर चुके हों! ऐसे में अमेरिका की इस कार्रवाई को दोहरा मानदंड नहीं, तो और क्या कहा जाएगा। दरअसल, अमेरिका का दावा है कि वेनेजुएला को कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। यहां इस बात पर गौर करना भी जरूरी है कि अमेरिका ने वर्षों पहले इराक पर यह आरोप लगाकर हमला किया था कि वहां रासायनिक हथियारों का जखीरा मौजूद है। मगर इसका कोई स्टीक प्रमाण आज तक सामने नहीं आया है। जहां तक वेनेजुएला से अमेरिका में नशीले पदार्थों की तस्करी की बात है, तो इस मसले को द्विपक्षीय बातचीत या फिर अंतरराष्ट्रीय अदालत के जरिए सुलझाया जा सकता है। वेनेजुएला ने तो पिछले सप्ताह अमेरिका के साथ समझौते पर बातचीत के लिए हामी भी भर दी थी। फिर क्या वजह रही कि अमेरिका ने वार्ता के बजाय हमले को चुना, इस कार्रवाई पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कुछ लोग अमेरिका के इस हमले को वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के इरादे से जोड़कर भी देख रहे हैं। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने भी पिछले दिनों एक साक्षात्कार में इस ओर इशारा किया था कि अमेरिका उनके देश में तख्ता पलट कर वहां के विशाल तेल भंडार तक अपनी पहुंच आसान बनाना चाहता है।

आज का कार्टून

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

ललित गर्ग

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था।

सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं।

इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का

भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए। मुख्य पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण हो, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट तय हो कि किस स्तर का अधिकारी किस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार होगा। जवाबदेही केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को वास्तविक दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है।

इंदौर की घटना केवल शोक व्यक्त करने का विषय नहीं है, यह व्यवस्था परिवर्तन की पुकार है। यदि इसे भी एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा कहकर भुला दिया गया, तो कल किसी और शहर में, किसी और गली में, कोई और परिवार इसी पीड़ा से गुजरेगा। जनता को अब नारों, पुरस्कारों और रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे सवाल पूछने होंगे, जवाब मांगने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वच्छ भारत केवल झाड़ू और प्रचार से नहीं, बल्कि जवाबदेही, ईमानदारी और संवेदनशील प्रशासन से बने। यदि इंदौर की पंद्रह मौतें भी व्यवस्था की नींद नहीं तोड़ सकीं, तो यह मानना पड़ेगा कि गंदगी केवल पानी की पाइपलाइन में नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नसों में बह रही है।

सहानुभूति तक सीमित हो गई संवेदना...

डिजिटल युग ने संवेदनाओं को भी एक नए रूप में ढाल दिया है। सोशल मीडिया पर किसी मुद्दे से जुड़े आंकड़े, तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। यह तथाकथित डिजिटल सहानुभूति हमें प्रतिक्रिया तो देती है, पर सहभागिता नहीं सिखाती। असल में केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति पर्याप्त नहीं, जब तक सामाजिक और मानवीय दृष्टि उसके साथ न चले। सामाजिक आचरण तब बदलता है, जब संवेदना औपचारिकता से निकलकर व्यवहार में उतरती है। जब नीति निर्माण में आंकड़ों के साथ मानवीय अनुभवों को महत्त्व दिया जाता है, जब योजनाएं बनाते समय जमीनी सच्चाइयों को समझा जाता है, तब सहानुभूति समानुभूति में बदलती है।

समकालीन समाज तेजी से बदल रहा है। हर दिन अखबारों और डिजिटल माध्यमों में पीड़ा, असमानता और संघर्ष की खबरें आम हो गई हैं। आदिवासी अंचलों में विस्थापन, शहरों की ओर बढ़ता पलायन, शिक्षा से बाहर होते बच्चे और महिलाओं के साथ होती हिंसा- ये अब केवल घटनाएं नहीं, बल्कि आंकड़ों में दर्ज सच्चाइयां हैं। इन पर हम दुख व्यक्त करते हैं, सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हमारा सामाजिक आचरण अक्सर वहीं ठहर जाता है। किसी के दुख को देखकर करुणा का भाव जागना समाज को असंवेदनशील होने से बचाता है, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह भावना केवल शब्दों, बयानों और औपचारिक प्रतिक्रियाओं तक सीमित रह जाती है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित सामाजिक और आर्थिक रपटें बताती हैं कि असमानता और वंचना आज भी व्यापक है, फिर भी अधिकांश मामलों में हमारी भूमिका केवल चिंता व्यक्त करने तक सिमट जाती है। असल में सहानुभूति हमें भावनात्मक संतोष देती है, पर व्यावहारिक जिम्मेदारी का बोध नहीं कराती।

आदिवासी समाज इसका सबसे बेहतर उदाहरण है। भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 8.6 फीसद हिस्सा अनुसूचित जनजातियों का है, लेकिन विकास

परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों में उनकी हिस्सेदारी अनुपात से कहीं अधिक रही है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार बड़े बांधों, खनन और औद्योगिक परियोजनाओं से प्रभावित लोगों में लगभग चालीस फीसद तक आदिवासी समुदायों से आते हैं। यह तथ्य केवल विस्थापन का नहीं, बल्कि संस्कृति, आजीविका और सामाजिक पहचान के टूटने का भी संकेत देता है। सहानुभूति के रूप में मुआवजे और पुनर्वास की योजनाएं बनाई जाती हैं, लेकिन समानुभूति तभी होगी, जब नीति निर्माण की प्रक्रिया में प्रभावित समुदायों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित की जाए और विकास को उनके जीवन-संदर्भ से जोड़कर देखा जाए। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में भी यही अंतर स्पष्ट दिखाई देता है।

यूनिसेफ और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण जैसी संस्थाओं की रपटें बताती हैं कि आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों में स्कूल छोड़ने की दर अब भी चिंता का विषय है, विशेषकर आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में। सहानुभूति के तौर पर छात्रवृत्तियां, मध्याह्न भोजन और योजनाएं मौजूद हैं, पर समानुभूति तब सामने आती है जब शिक्षा व्यवस्था यह स्वीकार करती है कि भाषा, गरीबी और पारिवारिक जिम्मेदारियां सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं। जब शिक्षक और व्यवस्था बच्चे की पृष्ठभूमि को समझकर अपनी पद्धति में बदलाव करते हैं, तभी शिक्षा वास्तव में समावेशी बनती है।

ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर बढ़ता पलायन भी हमारे सामाजिक आचरण की परीक्षा लेता है। करोड़ों लोग रोजगार की तलाश में अपने गांव छोड़कर शहरों में अस्थायी या असुरक्षित परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। शहरी अर्थव्यवस्था इन श्रमिकों पर निर्भर है, फिर भी सामाजिक व्यवहार में वे अक्सर अदृश्य रहते हैं। हम उनके श्रम का लाभ उठाते हैं, पर उनके आवास, स्वास्थ्य और बच्चों की शिक्षा को लेकर उदासीन बने रहते हैं। यह उदासीनता सहानुभूति की सीमा को दर्शाती है, जहां समस्या को देखा तो जाता है, पर उसे अपना नहीं माना जाता।

डिजिटल युग ने संवेदनाओं को भी एक नए रूप में ढाल दिया है। सोशल मीडिया पर किसी मुद्दे से जुड़े आंकड़े, तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। यह तथाकथित डिजिटल सहानुभूति हमें प्रतिक्रिया तो देती है, पर सहभागिता नहीं सिखाती। असल में केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति पर्याप्त नहीं, जब तक सामाजिक और मानवीय दृष्टि उसके साथ न चले। सामाजिक आचरण तब बदलता है, जब संवेदना औपचारिकता से निकलकर व्यवहार में उतरती है। जब नीति निर्माण में आंकड़ों के साथ मानवीय अनुभवों को महत्त्व दिया जाता है, जब योजनाएं बनाते समय जमीनी सच्चाइयों को समझा जाता है, तब सहानुभूति समानुभूति में बदलती है।

जिटल युग ने संवेदनाओं को भी एक नए रूप में ढाल दिया है। सोशल मीडिया पर किसी मुद्दे से जुड़े आंकड़े, तस्वीरें और वीडियो लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में उनका प्रभाव सीमित रह जाता है। यह तथाकथित डिजिटल सहानुभूति हमें प्रतिक्रिया तो देती है, पर सहभागिता नहीं सिखाती।

श्रेयस अय्यर ने फिटनेस साबित की

● विजय हजारे ट्रॉफी में फिफ्टी लगाई, सिराज ने 3 विकेट झटके, मयंक अग्रवाल का शतक

जयपुर (एजेंसी)। भारतीय टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर (82 रन) ने विजय हजारे ट्रॉफी में हाफ सेंचुरी जमाकर अपनी फिटनेस साबित कर दी है। वे जयपुर में हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं। अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया में चुना गया है, हालांकि वे उनका खेलना फिटनेस साबित करने पर निर्भर है।

अय्यर के अलावा, सूर्यकुमार यादव 24 रन, मुशीर खान 73 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में यशस्वी जायसवाल 15 और सरफराज खान 21 रन बनाए। मुंबई ने 33 ओवर में 299 रन बनाए। वहीं, गोवा के खिलाफ 212 रन चेज कर रही पंजाब के ओपनर प्रभसिमरन सिंह 2 और भारतीय कप्तान शुभमन गिल 11 रन बनाकर आउट हुए। 16 ओवर के बाद टीम का स्कोर 65/3 है। इधर, अहमदाबाद में कर्नाटक ने राजस्थान के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 324 रन बनाए। कप्तान मयंक अग्रवाल 100 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पडिक्कल (91 रन) महज 9 रन से सेंचुरी चूक गए हैं। वे लगातार तीन सीजन में 300 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बैटर बने।

किसने किसे हराया?

● बेंगलुरु में दिल्ली ने रेलवे को 6 विकेट से हराया। ● अहमदाबाद में केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया। ● बेंगलुरु में गुजरात ने ओडिशा को 233 रन से हराया।

प्लेट ग्रुप फाइनल में मणिपुर 169 पर ऑलआउट, शाबिर की हैट्रिक- रांची में चल रहे प्लेट ग्रुप के फाइनल में मणिपुर की टीम 47.5 ओवर में 169 रन पर ऑलआउट हो गई है। बिहार के शाबिर खान ने हैट्रिक सहित 7 विकेट झटके। उन्होंने 8 ओवर की गेंदबाजी में 30 रन दिए।

ओडिशा 100 पर सिमटा, गुजरात ने 233 रन से हराया- गुजरात ने ओडिशा को 233 रन के बड़े अंतर से हराया। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-111 मैदान पर ओडिशा ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी।गुजरात ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 333 रन बनाए। जवाब में ओडिशा की टीम 28.1 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। सीजी गाजा ने 6 विकेट झटके।

केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी मोटोरा स्टेडियम में केरल ने पुडुचेरी को 8 विकेट से हराया। टीम ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी और पुडुचेरी को 47.4 ओवर में 247 रन पर ऑलआउट कर दिया।टीम ने 248 रन का टारगेट 28 ओवर में 2 विकेट पर हासिल कर लिया। विष्णु विनोद ने नाबाद 162 रन की पारी खेली। जबकि बी अपराजित ने नाबाद 63 रन बनाए। संजू सैमसन 11 रन बनाकर आउट हुए।

बिलियर्ड्स के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनोज कोठारी का निधन

कोलकाता (एजेंसी)। बिलियर्ड्स के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनोज कोठारी का सोमवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली स्थित एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने पीटीआई को दी।

वे 67 साल के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पुत्र सौरव कोठारी हैं। कोलकाता के कोठारी का 10 दिन पहले चेन्नई से 600 किलोमीटर दूर तिरुनेलवेली के कावेरी अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था।

डोप टेस्ट में फेल हुए पूर्व आरसीबी तेज गेंदबाज राजन

घरेलू क्रिकेट खेलने पर भी लगी रोक

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय घरेलू क्रिकेट एक बार फिर डोपिंग विवाद से हिल गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी के पूर्व तेज गेंदबाज राजन कुमार को प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी

(नाडा) ने अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। 29 वर्षीय यह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उत्तराखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

किन प्रतिबंधित दवाओं में फंसे रजत कुमार

एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजन कुमार के डोप सैंपल में तीन प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए— ड्रोस्टानोलोन, मेटेनोलोन (दोनों एनाबॉलिक स्टेरॉयड) और क्लोमीफीन, जिसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन स्तर को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। नियमों के तहत रिपोर्ट आते ही नाडा ने उन पर तुरंत अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन

राजन कुमार ने आखिरी बार 8 दिसंबर 2025 को अहमदाबाद में दिल्ली के खिलाफ उत्तराखंड की ओर से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुकाबला खेला था। वह इस टूर्नामेंट में उत्तराखंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। हालांकि, अब तक उन्होंने इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और यह भी साफ नहीं है कि वह 'बी सैंपल' की जांच की मांग करेंगे या नहीं।

आरसीबी से घरेलू स्टार तक का सफर

हरिद्वार में जन्मे राजन कुमार को आईपीएल 2023 की नीलामी में आरसीबी ने 70 लाख रुपये में खरीदा था और 2024 सीजन में भी टीम ने उन्हें रिटेन किया, हालांकि उन्हें आईपीएल डेब्यू का मौका नहीं मिल सका। इसके बावजूद घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन लगातार बेहतर होता जा रहा था। टी20 क्रिकेट में रजत ने 26 मैचों में 32 विकेट, लिस्ट ए में 9 मैचों में 14 विकेट (एक पारी में पांच विकेट सहित) और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 4 मैचों में 8 विकेट चटकाए हैं।

भारतीय क्रिकेट में क्यों अहम है यह मामला

भारतीय क्रिकेट में डोपिंग के मामले बेहद कम सामने आते हैं, इसी वजह से यह प्रकरण खासा गंभीर माना जा रहा है। इससे पहले 2019 में पृथ्वी शॉ और 2020 में मध्य प्रदेश के ऑलराउंडर अंशुला राव पर डोपिंग के आरोप लगे थे। हर मामला यह दिखाता है कि नियमों की अनदेखी या अनजाने में हुई गलती भी करियर पर भारी पड़ सकती है।

आगे क्या होगा राजन कुमार का भविष्य

अब राजन कुमार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह 'बी सैंपल' टेस्ट करवाते हैं या नहीं और नाडा की अनुशासनात्मक प्रक्रिया किस दिशा में जाती है। फिलहाल उनका निलंबन जारी रहेगा और वे किसी भी तरह की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे।

5वें टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 134 रन की बढ़त

इंग्लैंड के 384 के जवाब में ऑस्ट्रेलिया 518/7 सिडनी में हेड और स्मिथ का शतक

सिडनी (एजेंसी)। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले जा रहे एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 7 विकेट पर 518 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 129 और ब्यू वेबस्टर 42

रन बनाकर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 384 रन पर सिमट गई थी।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की पारी को ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ ने मजबूती दी। हेड ने दिन के पहले सेशन में जोश टंग की गेंद पर कवर ड्राइव के जरिए चौका लगाकर 105 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 166 गेंदों में 163 रन की पारी खेली, जिसमें 24 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

121 रन पर मिला जीवनदान

हेड को 121 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जब बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे ब्रायडन कार्स की गेंद पर विल जैक्स ने उनका कैच छोड़ दिया। इसके बाद हेड ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। मैथ्यू पॉट्स के एक ओवर में उन्होंने लगातार तीन चौके भी लगाए।

स्मिथ का सिडनी में 5वां टेस्ट शतक

स्टीव स्मिथ ने 166 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 95 गेंदों में अर्धशतक जमाया था। यह स्मिथ का सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवां टेस्ट शतक है। इस मैदान पर सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने का रिकॉर्ड अब भी रिकी पोंटिंग के नाम है, जिन्होंने यहां 6 शतक लगाए हैं।

एनाबेल सदरलैंड ने दीप्ति शर्मा से छीना नंबर-1 का ताज, कप्तान हरमनप्रीत को भी हुआ फायदा

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने आईसीसी की ताजा टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान दोबारा से हासिल कर लिया है। भारत की श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आखिरी टी20आई मैच में 15 रन से मिली जीत के बाद एनाबेल सदरलैंड को आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ। वहीं, दीप्ति शर्मा एक स्थान का नुकसान झेलकर दूसरे पायदान पर खिसक गई हैं। ऐसे में जानते हैं आईसीसी की ताजा टी20आई रैंकिंग में क्या-क्या बदलाव हुआ?

एनाबेल सदरलैंड नंबर-1 गेंदबाज बनीं

दरअसल, आईसीसी महिला टी20आई बॉलिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड 736 रेटिंग के साथ टॉप पर पहुंच गई हैं। दूसरे पायदान पर भारतीय टीम की बॉलर दीप्ति शर्मा 735 रेटिंग के साथ खिसक गई। पाकिस्तान की सदिया इकबाल 732 रेटिंग के साथ तीसरे पायदान, इंग्लैंड की सोफी एक्लिस्टन 727 रेटिंग के साथ मौजूद है। इंग्लैंड की लॉरेन बेल 714 रेटिंग के साथ पांचवें पायदान पर विराजमान है।

ताजा रैंकिंग में भारत की रेणुका सिंह ठाकुर को पांच स्थानों का नुकसान झेलना पड़ा है। रेणुका 698 रेटिंग के साथ 11वें पायदान पर लुढ़क गई हैं, जबकि राधा यादव को भी दो स्थानों का नुकसान झेलना पड़ा और वह 18वें स्थान पर पहुंच गई।

कप्तान हरमनप्रीत कौर को फायदा

भारत बनाम श्रीलंका महिला टीम के बीच 30 दिसंबर 2025 को खेले गए आखिरी टी20आई मैच में तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़ा। अब आईसीसी की टी20आई रैंकिंग में भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दो स्थानों की छलांग के साथ 13वां पायदान (634) हासिल कर लिया है। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 43 गेंदों का सामना करते हुए 68 रन की पारी खेली, जिसका उन्हें फायदा मिला। इस पारी के दम पर भारतीय टीम 7 विकेट खोकर 175 रन का स्कोर बना सकी। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की ओपनर हसिनी परेरा ने 42 गेंद पर 65 रन की पारी खेली और चमारी अट्टापट्टू के जल्दी विकेट गिरने के बाद टीम की पारी को संभाला।

आईसीसी महिला टी-20 ऑलराउंडर्स की मौजूदा रैंकिंग

आईसीसी महिला टी20आई ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में टॉप पर हेले मैथ्यू 505 रेटिंग के साथ मौजूद है, जबकि न्यूजीलैंड की अमेलिया केर 434 रेटिंग के साथ दूसरे पायदान पर है। दीप्ति शर्मा 382 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर विराजमान है। बता दें कि दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आखिरी टी20आई मैच में 28 रन देकर एक विकेट लिया था, जिसके बाद वह रैंकिंग में नंबर-3 पर ही बने हुए हैं। वहीं, अरुंधाती रेड्डी, जिन्होंने 27 रन की नाबाद पारी खेली थी, उन्होंने एक विकेट भी झटका था। इस प्रदर्शन के बाद वह आईसीसी ऑलराउंडर्स टी20आई रैंकिंग में 21 स्थान की उछाल के साथ 44वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में कौन होगा भारत का एक्स फैक्टर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने आगामी टी20 विश्व कप को लेकर टीम इंडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या भारत के सबसे अहम और निर्णायक खिलाड़ी साबित हो सकते हैं, न कि जसप्रीत बुमराह या अभिषेक शर्मा।

टीम इंडिया की गहराई ने किया प्रभावित- अपने यूट्यूब चैनल 'एबी डिविलियर्स 360' पर टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का विश्लेषण करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि भारतीय टीम के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी

एबी डिविलियर्स की लिस्ट में बुमराह-अभिषेक नहीं

दोनों में शानदार संतुलन है। उन्होंने कहा, इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं, जिससे कप्तान को टीम कॉम्बिनेशन में काफी लचीलापन मिलता है। डिविलियर्स ने ओपनिंग संयोजन पर भी बात की और अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ऋषभ पंत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी इस बार टीम में जगह नहीं बना पाए।

हार्दिक क्यों हैं गेम चेंजर?

एबी डिविलियर्स ने हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया का निर्णायक खिलाड़ी बताते हुए कहा, हार्दिक वह खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद, दोनों से मैच जिता सकते हैं। वह किसी भी परिस्थिति में गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजी क्रम में कहीं भी फिट हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हार्दिक बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव साफ दिखता है। उन्होंने कहा, जब हार्दिक क्रीज पर आते हैं, तो विरोधी टीम को लगता है कि अगर वह तीन-चार ओवर भी टिक गए, तो मैच हाथ से निकल सकता है।

गेंद से भी उतना ही खतरनाक असर- डिविलियर्स ने यह भी कहा कि हार्दिक गेंद के साथ भी उतने ही प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, जब वह गेंदबाजी के लिए आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनके पास गोल्डन आर्म है और वह कभी भी साझेदारी तोड़ सकते हैं। हार्दिक पांड्या का हालिया प्रदर्शन भी उनके इस बयान को मजबूती देता है। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 133 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए अपना पहला लिस्ट-ए शतक लगाया, जिसमें 11 छक्के शामिल थे।इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तीन पारियों में 142 रन बनाए, वो भी 186 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से।

सिराज बदकिस्मती का शिकार हुए- डिविलियर्स ने यह भी कहा है कि मोहम्मद सिराज उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो बदकिस्मती से टीम में जगह नहीं बना सके। डिविलियर्स ने हालांकि यह भी साफ किया कि गेंदबाजी के लिहाज से भारत की टीम में सभी पहलुओं को कवर किया गया है।

डिविलियर्स ने भारतीय गेंदबाजों की तारीफ की

डिविलियर्स ने कहा आपके पास बुमराह और अर्शदीप हैं, वहीं हर्षित राणा बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इसी वजह से हर्षित को चुना गया, क्योंकि सिराज एक शुद्ध गेंदबाज हैं और टीम सीम गेंदबाजी पर ज्यादा फोकस नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा, इस टीम का मुख्य फोकस स्पिन पर है। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती हाल के टी20 मैचों में शानदार रहे हैं। अगर तेज गेंदबाज शुरुआत में विकेट दिला देते हैं, तो उसे टीम बोनस की तरह देखती है।

हार्दिक रखते हैं मैच पलटने की क्षमता

डिविलियर्स ने यह भी जोड़ा, जब बुमराह का दिन शांत रहता है, तब कुलदीप चार विकेट ले लेते हैं। फिर बीच के ओवरों में हार्दिक आकर मैच का रुख पलट देते हैं। चैंपियन टीमें ऐसी ही होती हैं और भारत के पास सभी विकल्प मौजूद हैं। टीम इंडिया ग्रुप-ए में अमेरिका, नामीबिया, नीदरलैंड्स और पाकिस्तान के साथ शामिल है और सात फरवरी से मुंबई में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

एसए-20 में सनराइजर्स केप ने प्रिटोरिया को पहली बार हराया

डी कॉक-बेयरस्टो की शतकीय साझेदारी; सनराइजर्स टॉप पर

सेंचुरियन (एजेंसी)। एसए-20 के चौथे सीजन में सेंचुरियन में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को पहली बार हराया। क्विंटन डी कॉक और जॉनी बेयरस्टो की नाबाद शतकीय साझेदारी की बदौलत टीम ने 177 रन का टारगेट महज 14.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप 17 अंकों के साथ एक बार फिर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए क्विंटन डी कॉक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

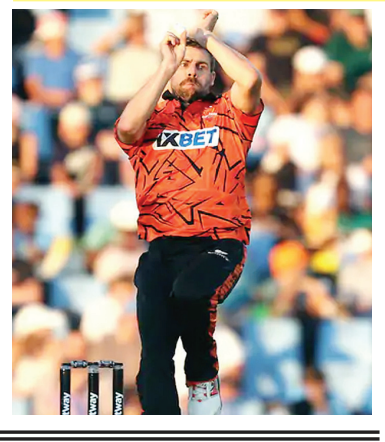

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। ओपनर कॉनर एस्टरह्यूजन ने 33 गेंदों पर 52 रन बनाए, जबकि शरफेन रदरफोर्ड ने 22 गेंदों पर नाबाद 47 रन की तेज पारी खेली। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। सनराइजर्स की ओर से एनरिक नॉर्टजे ने अपने पुराने घरेलू मैदान पर 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। लुईस ग्रेगरी ने 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 1 विकेट झटका।

बिना विकेट खोए लक्ष्य हासिल कर लिया

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। डी कॉक ने 41 गेंदों पर 79 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं, बेयरस्टो ने 44 गेंदों में 85 रन की पारी खेली और 8 चौके व 6 छक्के जड़े। बेयरस्टो ने स्पिनर केशव महाराज के एक ही ओवर में पांच छक्के और एक चौका लगाकर 34 रन बटोरे। यह ओवर एसए20 इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

रोहित-हरमनप्रीत जैसे दिग्गज रहे मौजूद थे

नीता अंबानी ने किया विश्व विजेताओं को सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने सोमवार को भारत के विश्व कप विजेताओं को सम्मानित किया। मुंबई में आयोजित इस भव्य समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका टीसी और पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित कई दिग्गज खिलाड़ी उपस्थित रहे। इस अवसर पर खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना की गई और उनके योगदान को देश के लिए गर्व का विषय बताया गया।

रोहित के नेतृत्व में भारत बना विजेता, सूर्या ने दिलाया एशिया कप का खिताब

साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए यादगार रहा। रोहित शर्मा के नेतृत्व में टीम इंडिया ने 12 साल के लंबे इंतजार के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया था। इससे पहले टीम इंडिया ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी20 विश्व कप 2024 का खिताब अपने नाम किया था। भारत ने 2025 में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप की ट्रॉफी भी अपने नाम की थी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670